



कैल

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

शहर की सुबह

सोचो तो आखिर आदमी के जीवन में रखा ही क्या है वह मुश्किल से रोता-तड़पता जन्म लेता है फिर रोज-रोज बढ़ती जाती है उसकी मुश्किलें उन सबके बीच वह हँसता-गाता लड़ता-झगड़ता है कई बार हो जाता है इस दुनिया से असहमत कभी बीच में दखल देकर कहता है एक दिन ऐसा नहीं बल्कि ऐसा होना चाहिए आदमी का जीवन वरना आदमी जिंदा होते हुए भी मर जाता है यह कहते ही वह घेर लिया जाता है चारों तरफ से घिरे हुए आदमी की फिर कभी कम नहीं होतीं मुसीबतें हर आदमी मरता तो है ही एक दिन लेकिन दिवकत यहाँ से शुरू होती है कि उसे हमेशा उस एक दिन से पहले ही मार दिया जाता है यह कह कर कि एक आदमी के जीवन में रखा ही क्या है आखिर।

- कुमार अंबुज

प्रसंगवश

केरल चुनाव: कांग्रेस के लिए अच्छा मौका, लेकिन क्या लाभ उठा पाएगी?

आनंद कोचुक्की

केरल के नेशनल हाईवे पर गाड़ी चलाते हुए ऐसा लगता है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पूरी तरह गायब है। ज्यादातर बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन मुस्कुराते हुए नजर आते हैं, जिन पर लिखा है, 'एलडीएफ के अलावा और कौन?' बीच-बीच में भारतीय जनता पार्टी के होर्डिंग्स भी दिखते हैं, लेकिन यूडीएफ की मौजूदगी सिर्फ वी डी सतीशन की फरवरी वाली 'पुथु युगा यात्रा' तक सीमित है। कांग्रेस नेता स्कूल के बच्चों की तरह बार-बार बहाने बनाते हुए 'संसाधनों' की कमी का हवाला देते हैं। लेकिन इससे उनकी खराब योजना सामने आती है, जो लंबे समय तक चले उम्मीदवार चयन और आखिरी समय में सीट बंटवारे में साफ दिखी। चुनाव जल्दी कराने के लिए चुनाव आयोग को और ऐसी अटकलें फैलाने के लिए मीडिया को दोष देकर कांग्रेस हमेशा की तरह खुद को पीड़ित दिखा रही है। फिर भी मुकाबले की असमानता यहीं खत्म हो जाती है। 2001 के बाद पहली बार कांग्रेस इतनी मजबूत स्थिति में है, जब यूडीएफ ने 140 में से 100 सीटें जीती थीं। यह बढ़त सिर्फ विजयन सरकार के खिलाफ एंटी-इंफ्लेशन की वजह से नहीं, बल्कि दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ की जीत से भी मिली है। केरल की राजनीति में 1995 से स्थानीय चुनाव भविष्य का संकेत देते रहे हैं। 2020 में भी ऐसा ही हुआ था, जिसने 2021 में वाम मोर्चे की वापसी का संकेत दिया था। हालांकि, कांग्रेस के लिए जीत के मुंह से हार छीन लेना कोई नई बात नहीं है। साथ ही, एलडीएफ का बड़ा जनसंपर्क अभियान मतदाताओं पर मनोवैज्ञानिक असर

डाल सकता है, भले ही कुछ वोटर पहले ही अपना फैसला कर चुके हों। अंदरूनी राजनीतिक धाराएं आमतौर पर चुनाव के बाद ही समझ में आती हैं। इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा यह है कि अल्पसंख्यक यूडीएफ के पीछे एकजुट हो रहे हैं। यूडीएफ राज्य के मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों का पारंपरिक मंच रहा है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को एक तरह से 'हिंदू पार्टी' माना जाता है। हाल के समय में, सीपीआई-एम के नेतृत्व वाला एलडीएफ अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम समुदाय को अपने साथ लाने की कोशिश कर रहा है, ताकि उसके हिंदू वोटों के कुछ हिस्से के बीजेपी की ओर जाने की भरपाई हो सके। 2021 में एलडीएफ की बड़ी जीत इसी बदलाव की वजह से हुई थी, जब यूडीएफ अपने वोटों को एकजुट नहीं रख पाया था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में फिलिस्तीन समर्थन और सीएफ के मुद्दे पर अपेक्षित लाभ न मिलने के बाद, वामपंथ ने अपनी राजनीतिक रणनीति बदल दी। एस्पनडीपी योगम और नायर सर्विस सोसाइटी जैसे संगठनों का समर्थन लेकर और जमात-ए-इस्लामी के यूडीएफ से संबंधों को मुद्दा बनाकर, वामपंथ लगातार बहुसंख्यक भावनाओं को उभार रहा है। इसका असर स्थानीय निकाय चुनावों में भी दिखा, भले ही यूडीएफ जीत गया। एलडीएफ अपने कुछ हिंदू वोटों को वापस लाने में सफल रहा, जो पहले बीजेपी को वोट दे चुके थे। सबरीमाला सोना चोरी मामले के बावजूद वामपंथ यह बदलाव लाने में सफल रहा। यह बदलाव खासकर तिरुवनंतपुरम और त्रिशूर जिलों में साफ दिखा, और कुछ हद तक पलक्कड़ और अलापुझा में भी। इससे वामपंथ का आत्मविश्वास बढ़ा है और वह अपने हिंदू वोट बैंक

को और मजबूत करने के लिए 'सॉफ्ट हिंदुत्व' तक का इस्तेमाल कर रहा है। केरल की 'धर्मनिरपेक्ष राजनीति' का एक ऐसा पक्ष भी है जो बाहर से दिखने जितना अच्छा नहीं है। राज्य के चुनावी इतिहास में कई बार धार्मिक और जातीय भावनाओं ने नतीजों को प्रभावित किया है। सूक्ष्म संदर्शों को समझने में इएमएस नंबूद्रीपाद माहिर थे। लंबे समय तक केरल की राजनीति वामपंथ और विरोधी वामपंथ के बीच बंटी रही, जो बीजेपी के आने के बाद धीरे-धीरे बदल रही है। वामपंथी खेमे को कभी भी विरोधी खेमे से ज्यादा बढ़त नहीं मिली, इसलिए उन्हें सत्ता में आने के लिए अपने आधार से बाहर के वोटों को भी जोड़ना पड़ता था। 1959 में 'विमोचन आंदोलन' के बाद पहली कम्युनिस्ट सरकार को हटाने की परिस्थितियों पर बाद में सवाल उठे, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि पहले से बनी हुई थी। नवंबर, 1956 में केरल राज्य बनने से पहले त्रावणकोर-कोचीन राज्य में पनमल्ली गोविंद मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार थी। 1957 में केरल में पहला विधानसभा चुनाव हुआ, तब राज्य में राष्ट्रपति शासन था। चुनावों में बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक भावनाओं को वामपंथ द्वारा सूक्ष्म तरीके से उभारने का यह पैटर्न केरल की राजनीति में लंबे समय से देखा गया है, हालांकि कांग्रेस ने भी कभी-कभी ऐसा किया है, जैसे 'विमोचन आंदोलन' के दौरान। 1987 के विधानसभा चुनाव में वामपंथ ने 'सॉफ्ट हिंदुत्व' का इस्तेमाल किया। 1990 के दशक में जनसंख्या में बदलाव के साथ, वामपंथ ने अल्पसंख्यक भावनाओं को भी उभारना शुरू किया। मुस्लिम वोट बैंक को ज्यादा भावनात्मक माना जाता है, जो वैश्विक घटनाओं से भी प्रभावित होकर

बदल सकता है, जबकि हिंदू वोट बैंक ज्यादा सूक्ष्म संदर्शों से प्रभावित होता है। ईसाई वोटर सबसे ज्यादा सिंगल वोटर माने जाते हैं। इसके अलावा राजनीतिक आधार पर भी वोटिंग होती है। दक्षिण और मध्य केरल में वोटों को प्रभावित करना आसान है, जबकि मलबार में वोटिंग ज्यादा राजनीतिक होती है, जहाँ 60 सीटें हैं। कन्नूर और पलक्कड़ जैसे मार्क्सवादी गढ़ों के कारण वामपंथ को मलबार में कठिन परिस्थितियों में भी 50 प्रतिशत सीटें मिलने का भरोसा रहता है। इससे बाकी राज्य चुनाव का मुख्य मैदान बन जाता है। बीजेपी के एक मजबूत तीसरे विकल्प के रूप में उभरने से कई समीकरण बदल गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में 20 प्रतिशत वोट हासिल करने के बाद बीजेपी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 2026 के विधानसभा चुनाव में 140 में से करीब एक-तिहाई सीटों पर बीजेपी का वोट शेयर जीत-हार तय कर सकता है। कांग्रेस पहले ही वामपंथ और बीजेपी के बीच 'समझौते' का आरोप लगा चुकी है। भले ही कोई औपचारिक समझौता न हो, लेकिन उम्मीदवारों का चयन ही वोट ट्रांसफर को प्रभावित कर सकता है। यूडीएफ के साथ अल्पसंख्यक समुदायों के जुड़ने और वामपंथ द्वारा सॉफ्ट हिंदुत्व अपनाने के कारण, एलडीएफ और एनडीए के वोटों के बीच कुछ हद तक वोट ट्रांसफर संभव है, जिसका नुकसान यूडीएफ को हो सकता है। सवाल यह है कि जहाँ बीजेपी जीतने की स्थिति में नहीं होगी, क्या वहाँ हिंदू वोटर एलडीएफ की ओर जाएंगे? या फिर विजयन सरकार के खिलाफ एंटी-इंफ्लेशन इस बदलाव को खत्म कर देगी? (दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

'स्कूल चले हम' मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का किया शुभारंभ

शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का बढ़ा आकर्षण : सीएम

● शासकीय विद्यालयों के नामांकन में 32.4 प्रतिशत की वृद्धि, सशक्त हो रहे भरोसे का परिचायक ● विकासखंड स्तर पर लगेगे बुक फेयर, निजी स्कूलों के बच्चों को भी मिलेंगी सस्ती पुस्तकें ● राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्पित ● मुख्यमंत्री ने बच्चों को निःशुल्क साइकिल और पुस्तकें की वितरित



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक 'स्कूल चले हम' अभियान चलेगा और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है।



बच्चे पढ़-लिखकर बने डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'स्कूल चले हम' अभियान बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। प्रदेश के सभी 55 जिलों के प्रत्येक गांव का एक-एक बच्चा स्कूल में प्रवेश ले रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में बड़े पैमाने पर शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का आकर्षण बढ़ा है। इनमें ड्रॉप आउट खत्म करने के लिए शिक्षकों के साथ समाज के हर वर्ग ने संकल्प के साथ मेहनत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिलें वितरित की गई हैं। आगामी 3 से 4 महीने तक शासकीय स्कूलों के 4 लाख बच्चों को साइकिलें मिलेंगी। विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क गणवेश, किताबें और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। हमारे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी बनें, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है।

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में हुई बढ़ोतरी

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज का दिन स्कूल शिक्षा विभाग के लिए दिवाली जैसा है। हम सभी स्कूली बच्चों का विद्यालयों में स्वागत कर रहे हैं। प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में वृद्धि हुई है। अब तक 1 करोड़ बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। पहली कक्षा से लेकर हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री वलास तक बच्चों का नामांकन किया जा रहा है। स्कूली विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें और पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि विकासखंड स्तर पर बुक फेयर लगाए जाएं, जहाँ शासकीय के साथ निजी स्कूलों के बच्चों को भी पाठ्यपुस्तक निगम की सस्ती पुस्तकों का लाभ मिल सके।

महंगाई का झटका!

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम पहुंचे 2 हजार के पार अब दूध हुआ महंगा, 4 रु. प्रति लीटर तक बढ़े दाम

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के बाद अब दूध भी महंगा हो गया है। गर्मियों के मौसम में पशु आहार की बढ़ती कीमतों



के कारण मध्य प्रदेश के कई स्थानों में विक्रेताओं ने बुधवार से दूध के खुदरा दामों में दो से चार रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया। विक्रेताओं के एक संगठन के अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं आज 1 अप्रैल से कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा- आज से ही प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी शेल इंडिया ने अपने आउटलेट्स पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले नायरा एनर्जी भी तेल के दाम बढ़ा चुकी है। बेंगलूरु में शेल आउटलेट्स पर पेट्रोल की कीमतों में 7.41 प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। अब सामान्य पेट्रोल की कीमत 119.85 और प्रीमियम पावर वेरिएंट की कीमत 129.85 प्रति लीटर हो गई है। डीजल की कीमतों में इससे भी अधिक 25.01 प्रति लीटर की भारी वृद्धि हुई है। सामान्य डीजल बढ़कर 123.52 और प्रीमियम डीजल 133.52 प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इससे पहले शेल ने कुछ स्टेशंस पर पेट्रोल में कीमतों में 2

पीएम मोदी ने असम में किया चुनाव प्रचार चाय और चिप से होगी राज्य की पहचान

● कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की, असम में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। वे धमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि एक समय था जब दुनिया में असम की चर्चा चाय के लिए होती थी। अब दुनिया असम को चाय के साथ-साथ चिप से पहचानेगी। टीवी, फ्रिज, गाड़ियां, मोबाइल असम की चिप से चलेंगी। दुनिया में असम की पहचान चाय और चिप से होगी। इससे पहले उन्होंने डिब्रूगढ़ में चाय बागान का दौरा किया। वहाँ काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और सेल्फी ली। पीएम ने यहाँ चाय की पत्ती भी तोड़ी।



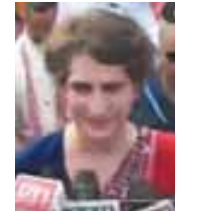
भाजपा के लोग हमारा पैसा लूट रहे हैं: ममता

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और खुद बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूक लेकर निकलते हैं। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी पर तीखा हमला बोला। जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, बीजेपी को ऐसा हराओ कि वह फिर कभी खड़ी न हो सके।

प्रियंका गांधी बोलीं-

असम में धमकी वाली सरकार है

कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसामर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्वा ने कहा- यह एक भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहाँ माफिया राज है, सिंडिकेट राज है। मुझे लगता है कि लोग थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि वही असम फिर से उभरे जो कभी हुआ करता था। वे एक ऐसी नई सरकार चाहते हैं जो सिर्फ लोगों की सेवा के लिए काम करे। लोग जानते हैं कि हमारे नेता ईमानदार हैं और वे उन्हें आगे लाना चाहते हैं।



हमने सम्मान दिलाया

मोदी ने कहा- कांग्रेस ने भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान किया। कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष ने हजारिका को मिले भारत रत्न का मजाक उड़ाया। बाबूछवि लाल उपाध्याय असम कांग्रेस के थे। कांग्रेस ने उन्हें भी भुला दिया। लेकिन हमने उनके नाम से इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया, उनकी प्रतिमा लगाई।

संक्षिप्त समाचार

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सीएम योगी ने साधा निशाना

यूपी से कूड़े की राजनीति बाहर



लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों चुनावी मोड में आते दिख रहे हैं। लगातार विपक्ष उनके निशाने पर है। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के बाद से विपक्ष पर योगी का वार लगातार बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निशाने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विशेष रूप से है। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य से कचरे की राजनीति को हटा दिया है। मुख्यमंत्री लखनऊ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को मजबूत करने के लिए करीब 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर अखिलेश यादव की पिछली सरकार रही। सीएम योगी ने कहा कि हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले शासन और सीएम दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं।

महाकाल के दरबार में पहुंचे अक्षय-टाइगर

नंदी के कान में कही मनोकामना, बोले- देश की तरक्की की कामना की



उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के बॉलीवुड सितारों की आस्था देखने को मिली। प्रसिद्ध अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और वरिष्ठ अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे।

नंदी हाल में बैठकर किया जाप, जल अर्पित कर लिया आशीर्वाद- तीनों कलाकार सुबह करीब 6 बजे मंदिर पहुंचे। यहां नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और जाप करते नजर आए। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने नंदी जी का पूजन कर उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। इसके बाद तीनों ने गर्भगृह की देहरी से दर्शन कर भगवान को जल अर्पित किया।

मेरठ- कचहरी को बम से उड़ाने की मिली धमकी

परिसर खाली कराया गया, जांच में जुटी थी पुलिस

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी के बाद पूरे कचहरी परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस बल तैनात कर सर्च कराया गया। अदालतों में प्रवेश रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, कचहरी परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने बम निरोधक दस्ता और डोंग स्कूड को मौके पर बुलाया। पुलिस ने कचहरी की सभी इमारतों को खाली करा दिया। सुरक्षा एजेंसियों ने कचहरी के हर हिस्से की गहन तलाशी ली। संभावित खतरे को देखते हुए मुख्य गेट सहित सभी प्रवेश मार्गों को बंद कर दिया गया।

एमपी में कांग्रेस को झटका

दतिया विधायक राजेंद्र भारती दोषी, 25 साल पुराने बैंक घोटाले में भेजे गए तिहाड़ जेल

दतिया (नप्र)। मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामले में अदालत ने दोषी करार दिया है। करीब 25 साल पुराने बैंक घोटाले मामले में दिल्ली की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें दोषी मानते हुए तिहाड़ जेल भेज दिया है। सजा को अवधि का ऐलान कोर्ट कल करेगा।

यह मामला जिला सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंक, दतिया से जुड़ा है। आरोप है कि बैंक अध्यक्ष रहते हुए राजेंद्र भारती ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर और रिकॉर्ड में हेरफेर कर फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में गड़बड़ी की। उन्होंने नियमों के विरुद्ध जाकर 13.5 प्रतिशत की ऊंची ब्याज दर का अनुचित लाभ लिया और सख्त की अवधि को अवैध रूप से बढ़ाकर बैंक को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया।

रतलाम सीजीएसटी में सीबीआई की रेड

असिस्टेंट कमिश्नर 1.5 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार, विभाग में हड़कंप

रतलाम (नप्र)। मध्य प्रदेश में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीजीएसटी रतलाम के सहायक आयुक्त को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक फर्म पर जीएसटी से जुड़ी कार्रवाई न करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश के रतलाम में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई ने यहां के सीजीएसटी दफ्तर पर छापामार कार्रवाई करते हुए सहायक आयुक्त शंकर परमार को 1.5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उनके साथ एक अन्य सुरेश मनुखानी को भी सह आरोपी बनाया गया है। कार्रवाई के बाद जीएसटी



दफ्तर में हड़कंप मच गया।

फर्म पर कार्रवाई न करने के एवज में मांगी थी रिश्वत- मामले में जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार सीबीआई भोपाल मुख्यालय को रतलाम जिले के एक फर्म संचालक शिकायत

की थी कि, सीजीएसटी के सहायक आयुक्त शंकर परमार व उनके एक निजी सहयोगी व्यक्ति द्वारा फर्म पर जीएसटी की कार्रवाई न करने के एवज में 5 लाख रुपए की मांग की गई थी। सीबीआई ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की योजना बनाई थी।

पहली किस्त लेते ही धरे गये सहायक आयुक्त- सीबीआई ने प्लानिंग के तहत फर्म संचालक को रिश्वत की पहली किस्त डेढ़ लाख रुपए लेकर भेजा था।

सहायक आयुक्त के पास यह रिश्वत की रकम जैसे ही पहुंची, सीबीआई ने तत्काल कार्यालय में दबिश देकर उन्हें धरदबोका।

हनुमान जयंती पर आस्था का केंद्र हैं यह मंदिर

मन्नत पूरी होने पर चढ़ते हैं चिमटे, पीपल के पेड़ और 'वासुदेव महाराज' की मान्यता

भोपाल (नप्र)। भोपाल के न्यू मार्केट स्थित शनि मंदिर में हनुमान जयंती पर श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ रही है। यहां हनुमंत लाल की विशाल मूर्ति, पीपल के पेड़ से जुड़ी अनोखी मान्यता और मन्नत पूरी होने पर चिमटे चढ़ाने की परंपरा इसे शहर के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल करती है।

स्वप्न से हुई स्थापना, 30-40 साल पुराना मंदिर- पंडित अरुण बुचके - मंदिर के पुजारी पंडित अरुण बुचके महाराज के अनुसार, यह स्थल करीब 30 से 40 वर्ष पुराना है। इसकी शुरुआत एक आध्यात्मिक अनुभव से जुड़ी है, जब उन्हें स्वप्न में यहां आने का संकेत मिला।

इसके बाद उन्होंने यहां सेवा शुरू की और धीरे-धीरे मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती चली गई, जिससे यह जागृत धाम के रूप में स्थापित हो गया।

'वासुदेव महाराज' पीपल पेड़ की अनोखी मान्यता-



मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता 'वासुदेव महाराज' के नाम से प्रसिद्ध पीपल का पेड़ है। मान्यता है कि यहां मन्नत मांगने के बाद जब भक्त की इच्छा पूरी होती है, तो वे चिमटा चढ़ाते हैं। ये चिमटे पेड़ पर इस तरह टिके रहते हैं कि गिरते नहीं, चाहे तेज बारिश या हवा ही क्यों न हो। इसे भक्त चमत्कार के रूप में देखते हैं।

एक भक्त की मन्नत से शुरू हुई परंपरा- पंडित अरुण बुचके महाराज बताते हैं कि करीब 20-30 साल पहले एक

भक्त को सपना आया था, जिसके बाद वह यहां मन्नत मांगने पहुंचा। उसकी इच्छा पूरी होने पर उसने चिमटा चढ़ाया। इसके बाद यह परंपरा शुरू हुई और आज हजारों की संख्या में चिमटे पेड़ पर चढ़ाए जा चुके हैं। महिलाएं पीपल के पेड़ पर सूत बांधती हैं और उसी में चिमटे स्थापित कर दिए जाते हैं।

शनिवार और शनि जयंती पर उमड़ती है भीड़- मंदिर में हर शनिवार को एक से दो हजार तक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते

हैं। पंडित अरुण बुचके महाराज के अनुसार, शनि जयंती पर यहां विशेष आयोजन होते हैं, जिसमें हर साल करीब दो लाख अंगूठियां श्रद्धालुओं को निःशुल्क वितरित की जाती हैं।

हनुमान जयंती पर विशेष पूजन और भंडारा- हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर में सुबह भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद करीब 11 बजे आरती और पूजन होता है। इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

अमेरिका नाटो से अलग हो सकता है

ट्रम्प बोले- इसने जरूरत के वक्त मदद नहीं की, ये कागजी शेर

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने जमीनी हमला करने के लिए सैनिक भेजने की गलती की तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने



कहा कि देश जरूरत पड़ने पर 6 महीने तक जंग जारी रख सकता है। वहीं हिजबुल्ला का प्रमुख कमांडर इस्माइल हारेशम हमले में मारा गया। आईडीएफ ने किया है दावा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे नाटो से बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने नाटो को कागजी शेर बताया। वहीं बिट्रेन ने भी अमेरिका जंग शामिल होने से मना कर दिया।

ट्रम्प ने कहा है युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता- वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है और ऑपरेशन लास्ट स्ट्रेज में है।

बेरूत हमले में मारा गया हिजबुल्ला का प्रमुख कमांडर इस्माइल हारेशम। आईडीएफ ने किया दावा।

होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुलेगा

ईरान के सीनियर सांसद अली निकजाद ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तब तक दबाव बनाए रखेगा जब तक वह अपने लोगों की मौत का बदला नहीं ले लेता। साथ ही उन्होंने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को भी खारिज करते हुए कहा कि अब तक कोई वार्ता नहीं हुई है और आगे भी नहीं होगी।

बंगाल एसआईआर - 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटें

सुप्रीम कोर्ट बोला- 7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बताया सबसे बड़ा मुकदमेबाज, टोका 25,000 जर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटीग्रेटेड रिजिजन (एसआईआर) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटारा रहा है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के डबल बेंच के एक फेसले को चुनौती देने के लिए केंद्र सरकार पर 25,000 का जर्माना लगा दिया। मामला एक सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल की बर्खास्तगी से जुड़ा है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने उसकी बर्खास्तगी खत्म करते हुए, उसका 25 प्रतिशत वेतन भी वापस करने का फैसला सुनाया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्न ने केंद्र सरकार को सबसे बड़ा मुकदमेबाज बताया और कहा कि इसी वजह से अदालत में इतने केस लंबित हैं।

उन्होंने कहा, यह केस जर्माने के साथ खारिज होना चाहिए। हम चीखते रहे हैं। वहीं मप्र धार भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा हाई कोर्ट ही करेगा वीडियो साक्ष्यों पर अंतिम फैसला मध्य प्रदेश के धार में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाला बिल पास



नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को राज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश

लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा

किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे वॉयस वोट से मंजूरी दे दी गई। इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशी अंशदान संशोधन बिल को लेकर हंगामा किया। उन्होंने एफसीआरए बिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिस्मिल ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे।

गुजरात में 15 नगरनिगमों के साथ 393 स्थानीय निकाय के चुनावों का ऐलान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तहसील पंचायत के चुनावों का ऐलान हो गया है। इन चुनावों के लिए 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। बुधवार को गांधीनगर में गुजरात राज्य चुनाव आयोग ने शेड्यूल जारी किया। गुजरात के स्टेट इलेक्शन कमिश्नर डॉ. एस मुरली कृष्णा ने कहा कि 6 अप्रैल से नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन की आखिरी 11 अप्रैल होगी। 13 अप्रैल को नामांकन की जांच होगी। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोट डाले जाए सकेंगे।

उप्र में तेज बारिश, ओले भी गिरे

मप्र-राजस्थान में भी अलर्ट, जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का खतरा



लखनऊ/शिमला/जयपुर/भोपाल (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में अगले तीन दिन मौसम में बदलाव रहेगा। उत्तर प्रदेश में बुधवार सुबह बारिश हुई, 40 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में मथुरा, जालौन और कन्नौज में ओले गिरे। उधर मप्र में आंधे प्रदेश में आंधे-बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन-वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। भोपाल 2 बजे के बाद बारिश शुरू हो गई थी। 4 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उसके बाद 15 अप्रैल से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी।

राजस्थान में बारिश की संभावना- राजस्थान में 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके चलते बारिश होगी। पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। जम्मू-कश्मीर के बाढ़ीपोरा जिले में एवलांच (हिमस्खलन) आया और कई रास्ते बंद हो गए हैं। अगले 24 घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और एवलांच का अलर्ट जारी किया गया है।

कोलार के बाद हुजूर एसडीएम नई बिल्डिंग में शिफ्ट होंगे

भोपाल कलेक्टर ने निरीक्षण किया, कहा-गुणवत्ता में कोई कोताही न बरतें



भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार के बाद अब हुजूर एसडीएम ऑफिस भी नई बिल्डिंग में शिफ्ट होगा। यह बिल्डिंग लालघाटी चौराहे के पास बनी है। बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निर्माणधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। कहा कि बिल्डिंग निर्माण काम की गुणवत्ता में कोई कोताही न बरतें। कलेक्टर सिंह ने एसडीएम विनोद सोनकिया के साथ बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा और जरूरी सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जनपद सीईओ शिवानी मिश्रा भी मौजूद थीं। नई बिल्डिंग में लोगों को बेहतर सुविधा मिले- कलेक्टर सिंह ने कहा कि लहसील कार्यालय आमजन को राजस्व संबंधी सेवाएं प्रदान करने का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। इसलिए भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता एवं आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। ताकि नागरिकों को सुगम एवं बेहतर सेवाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी कार्य नियमानुसार एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाए।

व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और आवश्यक सुधार के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए।

समीता राजौरा बनीं चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन

वन बल प्रमुख सेन ने एक माह रखा अपने पास चार्ज, चार आईएफएस के तबादले



भोपाल (नप्र)। प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ समीता राजौरा को अब प्रदेश के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। राज्य शासन ने बुधवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं। राजौरा को मिलाकर शासन ने चार आईएफएस के तबादले किए हैं। राजौरा के पदभार संभालते ही वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन की जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएंगे। वे एक माह से यह पद संभाल रहे थे। राज्य शासन ने पीसीसीएफ अनुसंधान और विस्तार विभाग टाकुर की सेवाएं लोक सेवा प्रबंधन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर सौंपते हुए अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन स्कूल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। टाकुर इसके पहले वन बल प्रमुख पद के दावेदार रहे हैं, जिन्हें तीन अन्य सीनियर अफसरों के साथ बायपास कर शुभरंजन सेन को एक माह के वन बल प्रमुख बनाया गया था। टाकुर इसके पहले भी पंचायत और ग्रामीण विकास समेत अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ रह चुके हैं।

शुक्ला को अनुसंधान एवं विस्तार का चार्ज

वन विकास निगम में पदस्थ पीसीसीएफ अर्चना शुक्ला को अनुसंधान और विस्तार मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। इनके अलावा कमोलिका मोहनता अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) प्रशासन को एपीसीसीएफ और एमडी राज्य लघु वनोपज संघ बनाया गया है। मोहनता की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर सौंपी गई हैं।

देवास में सीआईएसएफ जवानों ने माता टेकरी पर किया योग

110 सदस्यों ने लिया भाग, योग से लोगों को किया जागरूक



देवास (नप्र)। देवास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), बैंक नोट प्रेस इकाई के सदस्यों ने बुधवार को चामुंडा माता टेकरी पर योगसन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व सीनियर कमांडेंट संदीप कुमार एस ने किया।

मुख्यालय के आदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ के 110 बल सदस्यों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य योग को बढ़ावा देना और प्रधानमंत्री मोदी के विजन को आगे बढ़ाना था।

इस दौरान योग को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष योग क्लास भी लगाई गई। सीनियर कमांडेंट संदीप कुमार एस ने सभी बल सदस्यों को योग करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने देश में योग के प्रसार और सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग करने के महत्व पर भी जानकारी दी और उन्हें प्रेरित किया।

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 10 अप्रैल से शुरू होगी

- किसानों से बिचौलिये अमी 2200-2400 में खरीद रहे
- ओले-बारिश, आग से फसलों को खतरा, किसान बोले-पिछली बार से 1 महीना लेट



भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में पिछले तीन दिन से तेज आंधी चल रही है। इस वजह से भोपाल समेत कई जिलों में गेहूं की फसल प्रभावित हुई है।

मध्य प्रदेश में गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी 10 अप्रैल से शुरू होगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग के 23 जिलों में किसानों से गेहूं खरीदा जाएगा, जबकि बाकी जिले 15 अप्रैल से गेहूं खरीद सकेंगे। खरीदी लेट होने से किसान मंडी व खुले बाजार में बिचौलियों को अपना गेहूं 2200 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल बेचने को मजबूर हैं।

ओले-पौने दाम पर गेहूं बेचने के पीछे किसानों के दो तर्क सामने आए हैं। पहला तर्क- ओले, बारिश और आंधी है। वहीं, दूसरा तर्क खेतों में खड़ी फसलों में आग लगना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, खालियर समेत अधिकांश जिलों में इस बार गेहूं का अच्छा उत्पादन हुआ है, लेकिन खरीदी आगे बढ़ा दी

गई है। नए आदेश के अनुसार, भोपाल, उज्जैन, इंदौर और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल की बजाय 10 अप्रैल से गेहूं खरीदा जाएगा, जबकि बाकी 6 संभाग- खालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के 31 जिलों में 15 अप्रैल से खरीदी जाएगी। यह पिछले साल से 1 महीना देरी से है। साल 2025 में 15 मार्च से सरकार ने गेहूं की खरीदी शुरू कर दी थी।

प्रदेश में आंधी, बारिश और ओले वाला मौसम- बता दें कि इन दिनों आंधी-बारिश के दो सिस्टम एक्टिव होने से मौसम बदला हुआ है। पिछले 2 दिन में उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर समेत 12 जिलों में ओले गिर चुके हैं। ये प्रदेश के सबसे बड़े गेहूं उत्पादक जिलों में से एक है। वहीं, नर्मदापुरम, विदिशा, इंदौर, भोपाल समेत 41 जिलों में बारिश भी हुई है।

2022-चयनित शिक्षक सड़क पर, 8 महीने से नियुक्ति अटकी

नया सत्र शुरू, गेस्ट फैकल्टी भर्ती पर सवाल, सरकार से जल्द जॉइनिंग की मांग

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक (खेल, गायन, वादन, नृत्य) 2022 भर्ती प्रक्रिया के चयनित अभ्यर्थियों बुधवार को राजधानी भोपाल में धरना दिया। नियुक्ति में देरी से नाराज शिक्षक लगातार पांचवीं बार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि रिजल्ट आने और दस्तावेज सत्यापन पूरा होने के बावजूद उन्हें अब तक जॉइनिंग नहीं दी गई, जिससे वे मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

8 महीने से जॉइनिंग का इंतजार- अभ्यर्थियों के मुताबिक, उनका रिजल्ट 25 सितंबर को जारी हुआ था और करीब आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न तो जॉइनिंग दी गई और न ही कोई स्पष्ट शेड्यूल जारी हुआ। इस बीच 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है, जबकि चयनित शिक्षकों की जगह गेस्ट फैकल्टी की भर्ती की जा रही है। नर्मदापुरम की अभ्यर्थी ज्योति बाम ने कहा, हमने दो-दो परीक्षाएं क्लिफाई की हैं, लेकिन फिर भी हमें नियुक्ति नहीं मिल रही। हम मानसिक रूप से परेशान और फ्रस्ट्रेटेड हो चुके हैं। सरकार और डीपीआई से



अपील है कि हमें जल्द जॉइनिंग दी जाए।

सवाल पछने पर जवाब मिला- आपका अधिकार नहीं- अभ्यर्थियों ने विभागीय रकवे पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब वे जॉइनिंग की तारीख पूछते हैं तो उन्हें टाल दिया जाता है। ज्योति बाम ने आरोप लगाया, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन को लेकर भी हमें बार-बार चक्र

लगाया जाए। जब हमने तारीख पूछी तो कहा गया कि आप क्यों पूछ रहे हैं, आपका क्या अधिकार है।

खुशी से निराशा तक का सफर- सीहोर से आई अभ्यर्थी अनीता सिंह ने कहा, जब मेरिट में नाम आया था तो बहुत खुशी हुई थी, लेकिन अब समाज के सामने जवाब देना मुश्किल हो रहा है। नौकरी नहीं मिलने से स्थिति खराब हो गई है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव करें तैयार : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्विभागीय विषयों की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के मॉडल के आधार पर नियुक्ति की शर्तों एवं प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन हेतु भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नर्सिंग एडमिशन प्रक्रिया को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर सक्षम समिति के अनुमोदन के लिए शीघ्र अग्रोपित करने को कहा। उन्होंने क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के लिए पदों की स्वीकृति, मेडिकल कॉलेज खालियर में सीटीवीएस सेवा, सागर में कैसर

अस्पताल की स्थापना और चिकित्सालयों में जन आश्रय सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सोनोग्राफी कोर्स पूर्ण कर चुके स्त्री रोग विशेषज्ञों को संबंधित रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत करने के विषय में उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि इस संबंध में शासन का पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्नवाल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय शुक्ला, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराज एस तथा अपर सचिव सामान्य प्रशासन श्री अजय कटसेरिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रायसेन में 50 एकड़ गेहूं की फसल में लगी आग

25 ट्रेक्टर बुझाने में लगे, 1 वाहन जला, 11 किसानों के खेत जले



रायसेन (नप्र)। रायसेन में बुधवार दोपहर बजे गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लग गई। आग में करीब 50 एकड़ में लगी फसल जलकर राख हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसानों को संभलने का मौका नहीं मिला। आग की लपटों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए किसानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रेक्टर और पेड़ों की टहनियों से आग बुझाने का प्रयास किया। एक ट्रेक्टर भी आग की चपेट में आकर जल गया। इतनी देर में आग विकराल होती चली गई और 11 किसानों के खेत जल गए। करीब 1 घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

फायर ब्रिगेड का पानी खत्म हुआ

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन के अधिकारी सहित सांची नगर पालिका की दमकल टीमों मौके पर पहुंची लगातार आग

फरवरी-मार्च में ओले गिरे, सरकार को गेहूं खरीदना चाहिए

भोपाल के पास खजूरी कला के किसान कुबेर सिंह राजपूत ने बताया कि पूरे प्रदेश में ओलावृष्टि, बारिश और आंधी का दौर चल रहा है। इससे किसानों की किता बढ़ गई है। तेज आंधी से उनकी गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। यह किसानों के ऊपर बड़ी आपदा है, क्योंकि फरवरी में भी ऐसा ही मौसम था, जबकि मार्च में दो बार ओलावृष्टि हो चुकी है। किसान भैरोसिंह राजपूत ने बताया कि विगडे मौसम की वजह से किसान अपना गेहूं सरकार को बेचना चाह रहे हैं, लेकिन सरकार ने 1 अप्रैल की बजाय 10 अप्रैल से खरीदी करने के आदेश दिए हैं। इससे किसान मंडी व खुले बाजार में गेहूं बेचने को मजबूर हैं। जहां समर्थन मूल्य से 200 से 400 रुपए तक कम रहे हैं।

खड़ी फसल में आग लगने का भी खतरा

भोपाल के कुतार गांव में पिछले सप्ताह खेत में गेहूं की 15 एकड़ फसल आग में जलकर राख हो गई थी। जिन खेतों में आग लगी थी, उसके आसपास सैकड़ों एकड़ जमीन है और गेहूं की फसल खड़ी हुई थी। आग वहां तक न पहुंचे, इसलिए 50 से ज्यादा लोग दौड़ पड़े। ट्रेक्टर-ट्रॉलियों से पानी लाकर उन्होंने आग पर काबू पाया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट भी आग को काबू करने के लिए मशकत करते हुए नजर आए थे। ऐसी ही घटनाएं प्रदेश के अन्य जिलों में भी हुई हैं। मंडियों में गेहूं की आवक शुरू, रेट कम सरकारी खरीदी शुरू नहीं होने से किसान मंडियों में गेहूं लेकर पहुंच रहे हैं। यहां अच्छी कौलिटि के गेहूं को तो अच्छे दाम मिल रहे हैं, लेकिन बाकी किसान परेशान हैं। मंगलवार को भोपाल की करोड़ मंडी में करीब द्वाइ हजार क्विंटल गेहूं बिकने पहुंचा था। न्यूनतम रेट 2100 और अधिकतम 2700 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे।

प्रक्रिया पूरी, फिर भी नियुक्ति अधर में अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से चल रही है। सत्र 2021-22 में प्री का नोटिफिकेशन जारी हुआ

2022-23 में प्री परीक्षा

2023-24 में प्री का रिजल्ट

2024-25 में मुख्य परीक्षा

2025-26 में रिजल्ट और डॉक्यूमेंट

वेरिफिकेशन- नियमों के मुताबिक रिजल्ट के तीन महीने के भीतर जॉइनिंग होनी चाहिए, लेकिन सात महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी नियुक्ति नहीं हुई।

मानसिक-आर्थिक संकट गहराया- प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे इंतजार के कारण वे आर्थिक तंगी और मानसिक दबाव झेल रहे हैं। कई अभ्यर्थी डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच चुके हैं। सरकार से सीधी मांग- अभ्यर्थियों ने सरकार और डीपीआई से मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द जॉइनिंग दी जाए और स्कूल आवंटित किए जाएं, ताकि वे नए सत्र में पढ़ाई शुरू करा सकें।

हनुमान जन्मात्सव विशेष

जयदेव राठी

लेखक अधिवक्ता हैं।



भारतीय सनातन संस्कृति अपने भीतर जितनी व्यापक है, उतनी ही गहन भी। यह केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक आयाम को दिशा देने वाली एक शाश्वत परंपरा है। इसी परंपरा में हनुमान जयंती कापर्व अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह दिन हनुमान के अवतरण का उत्सव है, किंतु इसके कहीं अधिक यह उनके आदर्शों—भक्ति, बल, सेवा और विनम्रता—को आत्मसात करने का अवसर भी है। वर्तमान युग में, जब मानवीय मूल्यों में निरंतर क्षरण दिखाई देता है, तब हनुमान जयंती हमें हमारी जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान करती है।

सनातन संस्कृति में हनुमान जी को संकटमोचक कहा गया है—अर्थात् वे जो संकटों को दूर करते हैं। परंतु यह केवल दैवीय शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि मनुष्य यदि अपने भीतर निहित शक्ति को पहचान ले, तो वह हर संकट से उबर सकता है। हनुमान जी का जीवन इसी आत्मबल और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण है। जब रामायण में समुद्र लंघने का प्रसंग आता है, तब प्रारंभ में वे अपनी शक्ति को भूल जाते हैं। परंतु जाम्बवत के स्मरण कराने पर वे अपने वास्तविक सामर्थ्य को पहचानते हैं और असंभव को संभव कर दिखाते हैं। यह प्रसंग आज के मनुष्य के लिए एक गहन प्रेरणा है—कि आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

हनुमान जी की भक्ति का स्वरूप अद्वितीय है। उन्होंने अपने जीवन कोमर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सेवा में समर्पित कर दिया। यह भक्ति निष्काम थी—न उसमें कोई अपेक्षा थी, न कोई अहंकार। यही कारण है कि वे केवल एक भक्त नहीं, बल्कि आदर्श सेवक के रूप में पूजनीय हैं।

रामचरितमानस में उनका यह भाव अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त हुआ है।

‘प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।

राम लखन सीता मन बसिया।’

यह पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि हनुमान जी का मन सदा राम, लक्ष्मण और सीता के चिंतन में ही रमा रहता था। आज के समय में, जब मनुष्य अनेक प्रकार की इच्छाओं और विकल्पों में उलझा हुआ है, यह एकाग्रता और समर्पण हमें जीवन की दिशा दिखा सकता है। हनुमान जी केवल बल के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे अत्यंत विद्वान और ज्ञानी भी थे। वे नवव्याकरण के ज्ञाता थे और उन्होंने सूर्यदेव से शिक्षा प्राप्त की थी। यह संतुलन—शक्ति और ज्ञान का—सनातन संस्कृति का मूल तत्व है। आज के युग में, जहाँ केवल भौतिक शक्ति और संसाधनों को ही महत्व

हमारी जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान हनुमान जयंती

आज के समय में, जब मनुष्य अनेक प्रकार की इच्छाओं और विकर्षणों में उलझा हुआ है, यह एकाग्रता और समर्पण हमें जीवन की दिशा दिखा सकता है। हनुमान जी केवल बल के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे अत्यंत विद्वान और ज्ञानी भी थे। वे नवव्याकरण के ज्ञाता थे और उन्होंने सूर्यदेव से शिक्षा प्राप्त की थी। यह संतुलन—शक्ति और ज्ञान का—सनातन संस्कृति का मूल तत्व है। आज के युग में, जहाँ केवल भौतिक शक्ति और संसाधनों को ही महत्व दिया जा रहा है, वहाँ हनुमान जी का आदर्श यह सिखाता है कि बिना ज्ञान के शक्ति अधूरी है। हनुमान जी का चरित्र अत्यंत प्रेरणादायक रहा है।

तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में उनके गुणों का जो वर्णन किया गया है, वह केवल भक्ति का नहीं, बल्कि एक आदर्श जीवनशैली का मार्गदर्शन भी है, यह पंक्तियाँ केवल प्रार्थना नहीं हैं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति हैं कि मनुष्य को अपने दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। यही आत्मचिंतन सनातन संस्कृति का मूल है। आज जब युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के भ्रम और दबाव में जी रही है, तब हनुमान जी का आदर्श उन्हें आत्मविश्वास और दिशा प्रदान कर सकता है।

दिया जा रहा है, वहाँ हनुमान जी का आदर्श यह सिखाता है कि बिना ज्ञान के शक्ति अधूरी है।

हनुमान जी का चरित्र अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में उनके गुणों का जो वर्णन किया गया है, वह केवल भक्ति का नहीं, बल्कि एक आदर्श जीवनशैली का मार्गदर्शन भी है, ‘बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरों पवन-कुमार।

बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार।’

यह पंक्तियाँ केवल प्रार्थना नहीं हैं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति हैं कि मनुष्य को अपने दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। यही आत्मचिंतन सनातन संस्कृति का मूल है। आज जब युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के भ्रम और दबाव में जी रही है, तब हनुमान जी का आदर्श उन्हें आत्मविश्वास और दिशा प्रदान कर सकता है। उनका जीवन यह सिखाता है कि यदि हमारे भीतर दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन हो, तो हम किसी भी कठिनाई का सामना कर सकते हैं। यह संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में हनुमान जी के गुणों का अत्यंत प्रभावशाली वर्णन मिलता है,



‘जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।

जय कपीस तिरुं लोक उजागर।’

‘राम दूत अतुलित बल धाम।

अंजलि पुत्र पवनसुत नाम।’

इन पंक्तियों में हनुमान जी के ज्ञान, गुण और अतुलनीय बल

का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे केवल बलवान ही नहीं, बल्कि एक दिव्य दूत हैं, जो धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देते हैं।

हनुमान जयंती का पर्व सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिन विभिन्न स्थानों पर भंडारे, कीर्तन, सुंदरकांड पाठ और शोभायात्राएं आयोजित की जाती हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। इन आयोजनों में हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भागलेते हैं, जिससे समाज में एकता और सहयोग की भावना सुदृढ़ होती है। यही सनातन संस्कृति की वास्तविक शक्ति है—जो विविधताओं को

समेटकर एकता का सूत्र प्रदान करती है। किन्तु यह भी एक चिंतनीय तथ्य है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इन पर्वों के मूल उद्देश्य को भूलते जा रहे हैं। त्योहारों का स्वरूप अब दिखावे और औपचारिकता तक सीमित होता जा रहा है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम हनुमान जयंती के वास्तविक संदेश को

समझें और उसे अपने जीवन में उतारें। केवल पूजा-अर्चना करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके गुणों को अपनाकर ही सच्ची श्रद्धा है। हनुमान जी का एक और महत्वपूर्ण गुण है, विनम्रता। अपार शक्ति और ज्ञान होने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। जब लंका दहन के बाद वे लौटते हैं, तो अपने कार्य का श्रेय स्वयं नहीं लेते, बल्कि इसे प्रभु की कृपा मानते हैं। यह विनम्रता आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है, जहाँ सफलता के साथ अहंकार भी बढ़ता जा रहा है।

ग्रंथों में भी हनुमान जी की स्तुति अत्यंत भावपूर्ण ढंग से की गई है,

‘मनोजवं मारुततुल्यवेगं

जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्।

वातात्मजं वानरयूथमुख्यं

श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥’

यह श्लोक हनुमान जी के तेज, वेग, इन्द्रियग्रह और बुद्धिमत्ता का सुंदर चित्रण करता है। यह केवल स्तुति नहीं, बल्कि एक आदर्श चरित्र की परिभाषा भी है—जिसमें बल, संयम और बुद्धि का समन्वय हो। हनुमान जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि सनातन संस्कृति केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा भी है। यह पर्व हमें अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और जीवन को एक उच्च उद्देश्य की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

यदि हम हनुमान जी के जीवन से एक भी गुण चाहे वह भक्ति हो, सेवा हो या विनम्रता, अपने जीवन में उतार लें, तो हमारा जीवन न केवल सफल, बल्कि सार्थक भी बन सकता है। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है, अपने भीतर के हनुमान को जागृत करना और जीवन को धर्म, सेवा और प्रेम के मार्ग पर अग्रसर करना।

हनुमान जयंती पर विशेष

डॉ. मुरलीधर चौदानीवाल

लेखक साहित्यकार हैं।



इस धरती पर हनुमान अकेले हैं, जो भक्त हैं किन्तु भगवान की तरह पूजे जाते हैं। राम से ज्यादा मंदिर हैं हनुमान के, राम से ज्यादा हनुमान अपने करीब लगाते हैं लोगों को, राम से ज्यादा भरोसा है हनुमान पर, तो उसकी वजह यह कि एक हनुमान ही संकटमोचक हैं। वे हमें किसी भी तरह के डर से बाहर निकालना जानते हैं, वे सब तरह के रोग और शोक से छुटकारा दिलाना जानते हैं, और सबसे बड़ी बात तो यह कि वे ही हैं जो हममें बल और बुद्धि को एक साथ जगाने वाले हैं। वे ही हैं, जो हमारा अहंकार तोड़ते हैं। उनके लिये कोई काम असम्भव नहीं। यह पूर्ण शक्ति है कि वे घबराये हुए और बेचैन लोगों को मदद के लिये तत्पर रह कर चिरंजीवी बने हुए हैं।

हनुमान पर हमें भरोसा इसलिए है क्योंकि वे भगवान को भी संकट से उबार लेते हैं, हम मनुष्यों की तो बात ही क्या? अयोध्या छोड़ देने के बाद रामके पास राजबल नहीं था, धनबल नहीं, प्रजा का बल भी नहीं, उस पर सीता का हठण तो एक विषम चुनौती थी, फिर लक्ष्मण का जीवन खतरे में देखकर दुखी हुए राम के पास गयीं थी तो केवल हनुमान की। रामदूत हनुमान ने लंका में घुसकर अपना जो कौशल दिखाया, उसने राम के शिबिर में रावण को जीत लेने का विश्वास जगा दिया था। लक्ष्मण जब मूर्च्छित हुए, तो संजीवनी के लिये हनुमान के सहस्र और पुरुषार्थ को हमें आज भी नमन करते हैं। हनुमान ही हैं, जो किसी भी तरह का रोग या त्रास होने पर सहज ही याद आते हैं और हावहार के बीच व्याकुल कंठ से पुकार उठती हैं—‘नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा।’

हनुमान पर हमारा विश्वास अडिग है। वे सदियों से चट्टान

सदियों से हमारे लिये चट्टान की तरह खड़े हैं हनुमान

हनुमान ही ‘राम’ का आश्रय है, इसलिये जिन्हें भगवान की सहायता चाहिए, वे भगवान के पास नहीं दौड़ते, हनुमान की शरण में जाते हैं। हनुमान सबको आश्वस्त करते हैं। वे किसी को निराश नहीं करते। वे एक ही काम करते हैं कि हमें ले जाकर राम के पक्ष में खड़ा कर देते हैं। राम का अर्थ ही सत्य है, धर्म है, मर्यादा है, पवित्र आचरण है। इसलिये हनुमान इन सबके साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। वे झूठे लोभियों, दुराचारियों, मिथ्या आडम्बर में फँसे हुए लोगों, व्यभिचारियों, असत्य की नींव पर अपना वैभव दिखाने वालों और पदलोलुपों के साथ कभी नहीं होते। वे मरे हुए विचारों में नहीं होते, वे मलिन हो चुकी शब्दवलयियों में नहीं होते, वे वहाँ भी नहीं होते जहाँ दंड पेलते हुए बाहुबली दर्प में अंधे हो चुके हैं।

की तरह खड़े हैं हमारे लिये। वे जीवित हैं हमारे लिये, हमारे ऊपर आने वाली आपदाओं का नाश करने के लिये। मौत के भय से मुक्त रहने का मंत्र केवल दो अक्षरों का है, और वह है—‘राम’। लेकिन यह मंत्र हनुमान के हृदय में है। हनुमान ही ‘राम’ का आश्रय है, इसलिये जिन्हें भगवान की सहायता चाहिए, वे भगवान के पास नहीं दौड़ते, हनुमान की शरण में जाते हैं। हनुमान सबको आश्वस्त करते हैं, वे किसीको निराश नहीं करते। वे एक ही काम करते हैं कि हमें ले जाकर राम के पक्ष में खड़ा कर देते हैं। राम का अर्थ ही सत्य है, धर्म है, मर्यादा है, पवित्र आचरण है। इसलिये हनुमान इन सबके साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। वे झूठे लोभियों, दुराचारियों, मिथ्या आडम्बर में फँसे हुए लोगों, व्यभिचारियों, असत्य की नींव पर अपना वैभव दिखाने वालों और पदलोलुपों के साथ कभी नहीं होते। वे मरे हुए विचारों में नहीं होते, वे खो चुके चरित्र में नहीं होते, वे मलिन हो चुकी शब्दवलयियों में नहीं होते, वे वहाँ भी नहीं होते जहाँ दंड पेलते हुए बाहुबली दर्प में अंधे हो चुके हैं। वे साधुओं के साथ हैं, किन्तु साधु के वेश में छल करने वालों का साथ नहीं देते, उल्टे उन्हें अपनी गदा से ही सबक सिखाते हैं। हनुमान के पास राम-रसायन है, इसीलिए वे सदैव उत्साह और उमंग से भरे हुए दिखाई पड़ते हैं। नकारात्मक

शक्तियाँ चाहे जितनी बलवती हो, हनुमान के आगे टिक नहीं पातीं। बहुत शास्त्र नहीं पढ़े हैं हनुमान ने, किन्तु वे युद्ध का व्याकरण जानते हैं, राम का नीतिशास्त्र जानते हैं, भूगोल जानते हैं, अंतरिक्ष के सब ठिकाने जानते हैं, भूगर्भ में भी आते-जाते रहें हैं, और इस पृथ्वी को त्रास में डालने वाली आसुरी शक्तियों से निपटना जानते हैं। समुद्र की थाह है उनके पास, और वे यह भी जानते हैं कि समुद्र पर पत्थरों से सेतु नहीं बनते, इसलिये वे श्रद्धा का सेतु बनाते हैं। वे जानते हैं कि चंचल वानरों की सेना के दम पर लंका को नहीं जीता जा सकता, इसलिये वे एक-एक वानर को राम की रक्षा में लेकर युद्ध में कूद ही तो पड़ते हैं। जो राम की रक्षा कर सकता है, उसे एक बार सच्चे मन से पुकार तो लगाइए।

हनुमान महावीर होकर भी विनयशील हैं। अकेले ही कर गुजरने की ताकत होते हुए भी संगठन का सम्मान करने वाले हनुमान हमारे आदर्श यूँ ही नहीं हैं। वे उन्सही नेता हैं, मधुस्वामी बोलते हैं, कार्यकुशल हैं, त्यागी हैं, सबका हृदय जीत लेते हैं, बातचीत में बड़े कुशल हैं, दृढ़निश्चयी हैं, चिरसुवा हैं। उनकी छवि हमारे मानस में ‘स्वर्णशैलाभदेह’ की है। कञ्चन वर्ण और सादा-सुन्दर वेश। इतने गुण होते हुए भी वे सबसे नीचे खड़े रहते हैं हाथ जोड़ कर। वे अपने लिये कोई

सुविधा नहीं चाहते, क्योंकि भगवान स्वयं सब सुविधाएँ छोड़ कर वनवास में हैं।

रामकथा में हनुमान का प्रवेश बहुत बाद में होता है, वह भी सबसे पीछे खड़े उस अनुयायी की तरह, जिसके एक हाथ में वज्र है, दूसरे में ध्वजा। उनकी धूम सुंदरकांड से पहले नहीं सुनाई देती। वे रुद्र के अवतार हैं, ज्ञान और गुण के सागर हैं, अतुलित बल के धाम हैं, जितेन्द्रिय हैं, किन्तु राम के सामने नरजं झुकी हुई हैं। लंका को अपने प्रभाव में ले लेने के बाद भी अशोकवाटिका में जानकी के सम्मुख कोई गर्वोक्ति नहीं। चुपचाप हाथ जोड़ कर खड़े हुए हनुमान अपनी भूख और प्यास शान्त करने के लिये सरल शिशु की भाँति अनुमति मांग रहे हैं कि कुछ फल तोड़ कर खा लूँ, माता !

हनुमान में समर्पण है। वे अपने आपको भगवान का यंत्र समझ कर परिचालित होते हैं। वे जानते हैं कि उन्हें भगवान का कौन सा काम करना है। वे आदेश की प्रतीक्षा नहीं करते। राम उनके हृदय में हैं, इसलिये अच्छी तरह जानते हैं कि वे असन्धेय हैं, अजेय हैं। राम कभी एक बार भी अपने इस सेवक की परीक्षा नहीं लेते, सीधे दायित्व सौंपते हैं। राम के काम में हनुमान आगे-पीछे सोचते ही नहीं। भगवान का स्पर्श यदि मिला हुआ है, तो कौन सा काम कठिन, हनुमान इस सूत्र

को समझते हैं।

हनुमान सबके प्यारे हैं, सबके दुलारे हैं। भगवान राम हों, माता जानकी हो, लक्ष्मण हों, नल-नील हों, जाम्बवत हों, सुग्रीव हों, वानरों का यूँ ही हो या ऋषि-मुनि हों, मारुतिन्दन ही हैं, जो सबके काम आते हैं। भगवान जानते हैं कि हनुमान का यश उनके आगे-आगे चलता है। वे प्रसन्न होकर हनुमान से कहते हैं कि हनुमान लोग तुम्हारा ही यश गा रहे हैं, हनुमान ! और इतना कहते हुए भगवान उन्हें गले से लगा लेते हैं। सहस्र वदन तुम्हरो जस गावे अस कहि श्रीपति कंठ लगावे।’

यह समय है, अपने भीतर हनुमान की अमोघ शक्ति को जगाने का। यह भयभीत होकर हथियार डाल देने का समय नहीं है। यह समय एक बार पूरी ताकत के साथ जी उठने का है। यह मृत्यु को आते देख चीख-पुकार का समय नहीं है। यह समय है विषाणुओं के खर-दूषण को कुचल देने का। यह दुष्ट ताकतों से हाथ मिलाने का समय नहीं है। यह समय निर्मल चरित्र वाले वीर योद्धाओं के काम में हाथ बँटाने का है, खोई हुई लज्जा को लौटाने का है, इसलिये बस एक दीया हनुमान के नाम का अपने भीतर जलाना होगा। हनुमान हैं, तो उनके साथ राम भी हैं, सीता भी हैं, लक्ष्मण भी हैं। जहाँ वे तीनों हैं, वहीं तो मनुष्यता है, मनुष्यता का साम्राज्य है।

पुस्तक र्चय

दीपक गिरकर

समीक्षक



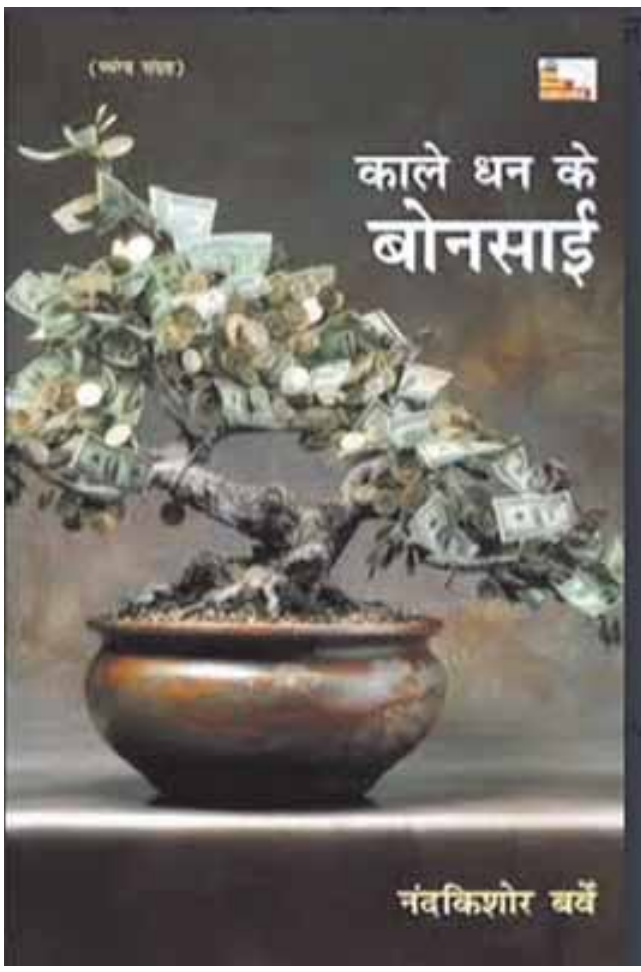
‘काले धन के बोनसाई’ सुपरिचित साहित्यकार, अभिनेता, दिग्दर्शक श्री नंदकिशोर बर्वे का व्यंग्य संग्रह है। इसके पूर्व लेखक के एक व्यंग्य संग्रह ‘आया किधर बसत’ और एक कहानी संग्रह ‘हवा में तेरे सवाँल’ प्रकाशित हो चुके हैं। आपने पांच नाटकों का लेखन किया है। देश के विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं में नंदकिशोर बर्वे का व्यंग्य रचनाएँ निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे ने अपने इस संग्रह की रचनाओं में समकालीन समाज और व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, विभ्रमों, विकृतियों, विद्वेषताओं, खोखलेपन तथा पाखण्ड जैसे अनैतिक आचरणों को गहन संवेदनशीलता और सजग दृष्टि के साथ उजागर किया है। वे केवल इन स्थितियों का वर्णन भर नहीं करते, बल्कि उन पर तीखे और सार्थक प्रहार करते हुए पाठक को सोचने के लिए बाध्य करते हैं। उनके व्यंग्य में समाज के विभिन्न स्तरों पर फैली अनियमितताओं और दोहरे मानदंडों का सजीव चित्रण मिलता है, जो यथार्थ को बिना आडंबर के सामने रखता है। बर्वे की लेखनी की एक महत्वपूर्ण विशेषता उनकी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता है। उन्हें जो भी विचार, व्यवहार या परिस्थिति असंगत अथवा अनुचित प्रतीत होती है, वे तत्काल उसे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का विषय बना लेते हैं। इस प्रकार उनके व्यंग्य आलेख समय की नब्ज को पकड़ने वाले प्रतीत होते हैं। वे केवल साहित्यिक सृजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने लेखन के माध्यम से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों से जुड़े कर्णधारों को निरंतर सचेत करते हैं। उनकी रचनाएँ पाठकों का ध्यान आकृष्ट करने के साथ-साथ उन्हें भीतर तक झकझोर देती हैं। वे पाठक को केवल हँसाने या मनोरंजन करने के उद्देश्य से व्यंग्य नहीं लिखते, बल्कि उसके माध्यम से समाज में व्याप्त विभ्रमों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना चाहते हैं। उनके व्यंग्य में निहित तीक्ष्णता और सार्थकता पाठक को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है और

काले धन के बोनसाई: विसंगतियों पर तीव्र प्रहार का दर्तावेज

सामाजिक परिवर्तन की दिशा में सोचने को विवश करती है। इस प्रकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य-साहित्य न केवल यथार्थ का सशक्त दर्तावेज है, बल्कि एक सजग सामाजिक हस्तक्षेप भी है, जो अपने समय की विकृतियों पर प्रभावी ढंग से प्रहार करता है।

व्यंग्य रचना ‘काले धन के बोनसाई’ प्रतीक के माध्यम से व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर गहरी और प्रभावशाली चोट करती है। लेखक होते हुए भी, माली और वृद्धों के रूपक का प्रयोग कर लोकतांत्रिक तंत्र की विडम्बनाओं को अत्यंत सजीव ढंग से प्रस्तुत किया है। रचना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रतीकात्मकता और व्यंग्य की गहराई है। माली का ‘वादों’ के सहारे काम चलाना और वृद्धों का अनियंत्रित रूप से बढ़ते रहना। यह सीधे-सीधे उस व्यवस्था की ओर संकेत करता है जहाँ नियंत्रण के नाम पर केवल दिखावा होता है। ‘माली बदलने’ के बाद भी स्थिति में वास्तविक परिवर्तन न होना, लोकतंत्र में सतही बदलावों पर सटीक कटाक्ष है। बोनसाई का प्रयोग अत्यंत सार्थक और मारक है। यह उन तत्वों का प्रतीक बनकर उभरता है जो ऊपर से सीमित या नियंत्रित दिखते हैं, लेकिन अपनी जड़ों (अर्थात् मूल शक्ति/संपत्ति) को हर हाल में सुरक्षित रखते हैं। ‘फूल-पत्ती समर्पित कर जड़ों को बचाना’ काले धन और प्रभावशाली वर्ग की चालाकी का सशक्त रूपक है। यह एक गहन, प्रतीकात्मक और तीक्ष्ण व्यंग्य रचना है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियों और काले धन की जड़ों पर सटीक प्रहार करती है।

व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य संग्रह सामाजिक तथा दैनिक जीवन की विविध विसंगतियों को केंद्र में रखकर लिखा गया है। वे अपने आसपास घटित होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं, व्यवहारों और प्रवृत्तियों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं और उन्हीं के आधार पर अपनी रचनाओं का निर्माण करते हैं। उनके व्यंग्य में समाज की



नंदकिशोर बर्वे

विडम्बनाएँ तीखे रूप में नहीं, बल्कि सहज और संतुलित ढंग से उपकर सामने आती हैं। बर्वे के पास नाट्य मंचन का पर्याप्त अनुभव है, जिसका स्पष्ट प्रभाव उनकी रचनाओं में देखा जा सकता है। उनकी लेखन शैली में संवादधर्मिता, दृश्यात्मकता और पाठों की

‘माली बदलने’ के बाद भी स्थिति में वास्तविक परिवर्तन न होना, लोकतंत्र में सतही बदलावों पर सटीक कटाक्ष है। बोनसाई का प्रयोग अत्यंत सार्थक और मारक है। यह उन तत्वों का प्रतीक बनकर उभरता है जो ऊपर से सीमित या नियंत्रित दिखते हैं, लेकिन अपनी जड़ों (अर्थात् मूल शक्ति/संपत्ति) को हर हाल में सुरक्षित रखते हैं। ‘फूल-पत्ती समर्पित कर जड़ों को बचाना’ काले धन और प्रभावशाली वर्ग की चालाकी का सशक्त रूपक है। व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य संग्रह सामाजिक तथा दैनिक जीवन की विविध विसंगतियों को केंद्र में रखकर लिखा गया है। वे अपने आसपास घटित होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं, व्यवहारों और प्रवृत्तियों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं और उन्हीं के आधार पर अपनी रचनाओं का निर्माण करते हैं।

जीवत प्रस्तुति मिलती है, जिससे पाठक को ऐसा प्रतीत होता है मानो वह किसी नाटक का मंचन देख रहा हो। यही कारण है कि उनकी अधिकांश रचनाएँ नाटकीयता से परिपूर्ण होते हुए भी बोझिल नहीं लगतीं, बल्कि रोचकता बनाए रखती हैं। उनकी रचनाओं के शीर्षक अत्यंत आकर्षक और जिज्ञासा उत्पन्न करने वाले हैं, जो पाठक को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। भाषा की दृष्टि से बर्वे अत्यंत सरल, स्पष्ट और संप्रेषणीय शैली का प्रयोग करते हैं। उनकी

भाषा में कृत्रिमता या जटिलता नहीं है, जिससे सामान्य पाठक भी आसानी से उनके व्यंग्य का अर्थ और भाव ग्रहण कर सकता है। वे जानबूझकर किसी प्रकार का भाषाई या शाब्दिक खिलवाड़ नहीं करते, बल्कि सीधे और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते हैं। बर्वे की विशेषता यह है कि वे व्यंग्य प्रस्तुत करते समय

अनावश्यक आक्रामकता या कटुता से बचते हैं। वे बिना लाउड हुए, बहुत शिष्ट और संतुलित तरीके से समाज की विसंगतियों को उजागर करते हैं। उनके व्यंग्य में मर्यादा और सौम्यता बनी रहती है, जो पाठक को सोचने के लिए प्रेरित करती है, न कि केवल चौंकाने के लिए। आशा है इस व्यंग्य संग्रह का साहित्य जगत में स्वागत होगा।

पुस्तक - काले धन के बोनसाई (व्यंग्य संग्रह)

लेखक - नंदकिशोर बर्वे

प्रकाशक - न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

मूल्य - 299/- रूपए

प्रवेश उत्सव में क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने छात्र-छात्राओं पर बरसाएं फूल



सोहागपुर। शासकीय सांदिपनि सरदार ज्वालासिंह सरदार लद्दासिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश उत्सव का आयोजन क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक के साथ नगर की प्रथम नागरिक नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल, उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, पार्षद श्री रविशंकर उडके, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश उडके, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राकेश रघुवंशी आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने छात्र छात्राओं को प्रवेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं। आपने छात्रों पर पुष्प वर्षा की छात्रों ने करतल ध्वनि से उनका अभिवादन किया। इसी अवसर पर छात्र छात्राओं ने स्कूल का प्रदर्शन किया। वहीं छात्र छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गईं। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को स्कूल बेग प्रदान किए गए। इसके पूर्व उपस्थित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर पीएम श्री विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सुनीता गढ़वाल के अलावा शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक, अभिजन पालीवाल आदि उपस्थित थे। सांदिपनि विद्यालय प्राचार्य ने आभार व्यक्त किया।

उपलब्धियों से भरपूर प्राचार्य खान मैडम सेवानिवृत्त



सोहागपुर। पी.एम. श्री. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका एवं पूर्व प्रभारी प्राचार्य श्रीमती सायरा बानो खान को भावभीनी सेवानिवृत्त बिदाई दी गई। श्रीमती खान का सेवा कॉल उपलब्धियां भरा रहा है। उल्लेखनीय है कि एनजेएल उच्चतर विद्यालय में पदस्थ होने के अवसर पर उनके विषय का 12 वर्षों तक लगातार हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। ज्ञातव्य है कि आपने प्रारंभिक सेवाएं हरदा जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय हंडिया में दी थीं। संस्था के नितिन पचौरी ने खान मैडम की पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताया कि श्रीमती सायरा बानो खान का परिवार देश सेवा एवं समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहा है। उनके एक भाई भारतीय सेना के सेवानिवृत्त फौजी हैं। इस अवसर पर उनके परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर प्राचार्य सुनीता गढ़वाल, जन शिक्षक राजेश दीक्षित सर, अशोक गजजाम, लखन अहिरवार एवं समस्त स्टाफ ने सेवानिवृत्त सायरा बानो की दीर्घायु, स्वास्थ्य रहने की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। मंच संचालन पवन खरे एवं आभार डॉक्टर अनूप सोनी ने व्यक्त किया। इसके पूर्व नितिन पचौरी ने श्रीमती खान की पृष्ठभूमि पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

हास्य परिहास पर गोष्ठी : सोने की चिड़िया था जब ये देश हमारा, गो माता की पूजन करता था देश में सारा



सोहागपुर। हास्य परिहास दिवस, रेणुका चतुर्दशी एवं श्री हनुमान प्रकटय उत्सव की पूर्व संध्या पर काव्य गोष्ठी का आयोजन मंगलवार को जीवन दुबे के मातापुरा वार्ड के निवास पर पलकमती साहित्य परिषद के तत्त्वधान में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा कवियत्री कृतिका दुबे ने मार्च माह के दौरान देशभर में घटी घटनाओं को काव्यबद्ध करते हुए अपनी रचना की प्रस्तुति दी जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के अध्यक्षता वरिष्ठ कवि मथुरा प्रसाद जोशी ने हास्य व्यंग्य की रचनाओं का पाठ करते हुए सबको जमकर मुग्धगुदाया। उन्होंने राई विद्या के काव्य की प्रस्तुति भी दी। दयाशंकर शर्मा ने मौसम बसत है शादी में बहार है मेहदी रचे हाथ है वरमाला साथ है कविता का पाठ किया। जलज शर्मा ने उसकी मुंतिज आंखें मुझे सब कुछ बताती हैं कि सरहद पर है बेटा दिल में मैं दीपक जलती है कविता की प्रस्तुति दी। प्रबुद्ध दुबे ने गिरा पर मनोबल गिरने नहीं दिया जिया जिंदगी को अपने उसूलों पर जिया। जीवन दुबे ने प्राचीन एवं आधुनिक जीवन पद्धति पर कविता पढ़ते हुए सोने की चिड़िया था जब ये देश हमारा। गो माता की पूजन करता था देश ये सारा बिल बखर से होती थी खेती हम सबकी। पोषक तत्वों से युक्त था भोज्य हमारा की प्रस्तुति दी। नीरज चौरसिया ने एक ही रंग में जन्मा था मैं, इस रंग ने मुझको रंग दिया कविता का पाठ कर मानव जीवन पर अपने उद्गार प्रस्तुत किए। श्वेतल दुबे ने सत, धर्म अपराध बोध एवं क्षमा पर कविता का पाठ किया।

नरवाई जलाने पर प्रशासन सख्त, 73 किसानों को थमाए नोटिस

जुर्माने की होगी कार्रवाई, जांच में जुटे अधिकारी

बैतूल। जिले में नरवाई जलाने पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद खेतों में आग लगाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस पर सख्ती दिखाते हुए जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक नरवाई जलाने के मामलों में किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं और जांच के बाद दोषी पाए जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल जिला प्रशासन ने गेहूँ सहित अन्य फसलों की कटाई शुरू होने से पहले ही खेतों में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया था। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बड़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को देखते हुए आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद जिले के कई क्षेत्रों में किसानों द्वारा नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न ब्लॉकों में कुल 73 मामले दर्ज किए गए हैं। इन्हें बैतूल ब्लॉक में

14, चिचोली में 4, शाहपुर में 6, घोड़दोंगरी में 7, भैसदेही में 5, आठनेर में 13, भीमपुर में 3, मुलातई में 12, प्रभातपट्टन में 8 तथा आमला ब्लॉक में 1 मामले सामने आये हैं। इन सभी किसानों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। प्रशासन ने नरवाई जलाने की घटनाओं पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को सौंपी है। अधिकारी लगातार खेतों का निरीक्षण कर रहे हैं और उपग्रह चित्रों एवं स्थानीय सूचना के आधार पर मामलों की पुष्टि की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जिन किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, उनकी विस्तृत जांच की जाएगी। जांच में यदि यह पाया जाता है कि किसान ने जानबूझकर नरवाई में आग लगाई है, तो उसके खिलाफ प्रति हेक्टेयर के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा। प्रशासन

बैतूल

स्टे हटते ही शुरू होगा, बरेठा फोरलेन का निर्माण कार्य



(एनएचआई) सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के स्टे के बाद जिन आवश्यक अनुमतियों की जरूरत थी, उनमें वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी स्वीकृतियां सहित अन्य केंद्रीय मंजूरियां अब प्राप्त हो चुकी हैं। इन अनुमतियों को जल्द ही न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर स्टे हटाने (वेकेट) की कार्रवाई की जाएगी। आदेश मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

हाईकोर्ट में दायर पीआईएल के बाद से रुका है काम - इटारसी-बैतूल के मध्य बरेठा घाट का लगभग 21 किमी का भूग शेष रह गया था। इसमें केसला रेंज, भीरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित है। ये सभी खंड वन्यजीव विशेषकर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के

दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। इसी के चलते इन खंडों में निर्माण कार्य को 1 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जारी स्टे आदेश के पश्चात स्थगित कर दिया गया था। इस प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न वैधानिक एवं पर्यावरणीय, विशेष रूप से वन्यजीव संबंधित मंजूरियों की आवश्यकता थी। हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए एनएचआई ने सभी आवश्यक प्रक्रिया निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पूरी कर ली है। प्रोजेक्ट के लिए वाइल्ड लाइफ बोर्ड एवं केन्द्र सरकार से सभी आवश्यक मंजूरियां प्राप्त हो चुकी हैं। अब उच्च न्यायालय द्वारा स्टे को औपचारिक रूप से हटाने के संबंध में आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है। जैसे ही न्यायालय से इसे

विधायक के प्रयासों से 40 करोड़ की लागत से कन्या शिक्षा परिसर को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

कन्या शिक्षा परिसर के रूप में ग्रामीण व आदिवासी बालिकाओं को मिलेगी सुविधा

बैतूल। आमला-सारणी विधानसभा क्षेत्र के जूझारू विधायक डॉ. योगेश पंडप्रे के सतत प्रयासों से आमला विकासखंड अंतर्गत लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले भव्य कन्या शिक्षा परिसर भवन निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी इस स्वीकृति के अंतर्गत परिसर में सर्वसुविधायुक्त आवासीय भवन, छात्रावास, बाउंड्रीवाल एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। ग्रामीण, आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित आवासीय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तावित, यह कन्या शिक्षा परिसर क्षेत्र की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित आवासीय शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। विधायक डॉ. पंडप्रे के नेतृत्व में आमला-सारणी विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई एवं रोजगार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह कन्या शिक्षा परिसर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं हेतु मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि आमला विधायक



डॉ. योगेश पंडप्रे के प्रयासों से आमला शहर में लगभग 26 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हो रहा सर्वसुविधायुक्त शासकीय संदीपनी विद्यालय भी अब पूर्णता की ओर अग्रसर है तो 6 करोड़ रुपए से अधिक लागत से भारत रत्न डॉ. भीमवार अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण व आधा दर्जन से अधिक उच्चतर माध्यम

विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 13 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित इस कन्या शिक्षा परिसर के लिए भूमि चयन व आवंटन की प्रक्रिया भी अब अंतिम चरण में है जिसका प्रशासनिक स्वीकृति उपरांत शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि कन्या शिक्षा परिसर में खेल, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, चिकित्सा एवं आकस्मिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं विद्यार्थियों को गणवेश, ब्लू ब्लेजर, पुस्तकें, स्टेशनरी, तथा पोषण आहार भी प्रदान किया जाएगा।

इनका कहना है - कन्या शिक्षा परिसर भवन निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। उक्त स्वीकृति के लिए हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार। माता शबरी के नाम से पहचाने जाने वाला प्रस्तावित आवासीय कन्या शिक्षा परिसर निर्माण के साथ न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि यह ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और उज्वल भविष्य का आधार भी बनेगा।

- डॉ. योगेश पंडप्रे, विधायक, आमला

ध्यान से बढ़ती है एकाग्रता, मन होता है शांत : विनोद जेटवा

पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुआ हार्टफुलनेस ध्यान कार्यक्रम

बैतूल। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सोनाघाटी बैतूल में हार्टफुलनेस ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नागपुर से पधारे प्रशिक्षक विनोद जेटवा ने लगभग 125 बच्चों को हार्टफुलनेस ध्यान की पद्धति

एवं ध्यान से हमारे जीवन में क्या क्या बदलाव आते हैं, विद्यार्थियों को ध्यान करने से क्या लाभ है, के बारे में बताया। हार्टफुलनेस ध्यान के अभ्यास की कमल नयन अग्रवाल ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान, हृदय आधारित ध्यान पद्धति है जो कि अपने हृदय में एक दिव्य प्रकाश की अनुभूति के विचार को लेकर किया जाने वाला ध्यान है। अभ्यासी आशीष पचौरी ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान की चार विधियां हैं। रिलेक्सेशन, मॉडिटेसन, क्लीनिंग और प्रार्थना। रिलेक्सेशन की प्रक्रिया से शरीर को आरामदायक अवस्था में लाया जाता है। इसके बाद मॉडिटेसन यानी ध्यान किया जाता है। शाम को क्लीनिंग यानी सफाई की प्रक्रिया की जाती है, जिससे हमारे दिल दिमाग की सफाई की जाती है। जो दिनभर हमारे द्वारा किए कामों की छापें, नकारात्मक विचार आदि की सफाई की जाती है। अंत में रात में सोने से पहले स्वयं

एवं विश्व के कल्याण हेतु प्रार्थना की जाती है। अभ्यासी राजेंद्र परिहार ने अपने ध्यान के अनुभव साझा करते बताया कि ध्यान से किस प्रकार उनके जीवन में बदलाव आया। कार्यक्रम के अंत में अभ्यासी कमल नयन अग्रवाल ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान पूर्णतया निःशुल्क है कोई भी व्यक्ति बैतूल गंज स्थित ध्यान केंद्र पर आकर ध्यान प्रशिक्षण से पर्यटन सिटिंग ले सकते हैं। केंद्र पर सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक एवं 4 से 8 बजे तक आकर सिटिंग

(प्रशिक्षक के साथ बैट्रकर ध्यान करना) ले सकते हैं। साथ ही प्रति रविवार सुबह 9 से 10 एवं प्रति बुधवार शाम 6 से 7 सामूहिक ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। साथ ही सभी स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों से भी अपील की जाती है कि यदि आप चाहें, तो स्कूल में 15 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग के बच्चों के लिए 3 दिवसीय निःशुल्क ध्यान कार्यक्रम बैतूल गंज हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र पर या आपके द्वारा तय स्थान पर कर सकते हैं। अंत में अभ्यासी राजेंद्र परिहार ने सभी बच्चों, प्राचार्य भदौरियाजी एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे खेतों में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा किसानों से नरवाई नहीं जलाने और वैकल्पिक प्रबंधन अपनाने की अपील की जा रही है। जिला प्रशासन ने किसानों से नियमों का पालन करने

तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का आग्रह किया है। **इनका कहना है** - जिले में नरवाई जलाने के कुल 73 मामले अभी तक सामने आए हैं। इन किसानों को नोटिस भी जारी कर दिए गए हैं। यदि वे जांच में दोषी पाए जाते हैं तो जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

- रामवीर सिंह राजपूत, सहायक संचालक, कृषि विभाग, बैतूल

बरेठा घाट सेक्शन में हो चुके हैं कई हादसे - बरेठा घाट सेक्शन सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील माना जाता है। यहाँ संकरे और घुमावदार दो-लेन सड़क, ढलान और सीमित दृश्यता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पिछले तीन वर्षों में यहां 50 से अधिक सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हुए। इसी वजह से इस हिस्से का उन्नयन बेहद जरूरी माना जा रहा है। एनएचआई ने इस सेक्शन के लिए जो नया प्लान तैयार किया है, उसमें घुमावदार रास्तों को सुधारा जाएगा और ब्लैक स्पॉट्स का स्थायी समाधान किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इस पूरे प्रोजेक्ट में वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत 10 एनिमल अंडरपास और 1 एनिमल ओवरपास बनाए जाएंगे, ताकि टाइगर सहित अन्य वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित न हो। साथ ही क्रैश बैरियर, रॉबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड, फेंसिंग और अन्य सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

इनका कहना है - सड़क निर्माण से संबंधित सभी जरूरी अनुमतियां वाइल्ड लाइफ बोर्ड तथा केंद्र सरकार से प्राप्त कर ली हैं। हाईकोर्ट का स्टे हटते ही यहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। - **मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचआई**

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए 200 किमी की पदयात्रा बैतूल से भोपाल तक 11 दिन की यात्रा, सीएम को सौंपेंगे मांगपत्र

बैतूल। जिले के छात्र नेता रामकुमार नागवंशी ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को लेकर 200 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की है। यह यात्रा बुधवार दोपहर 12 बजे बैतूल के अंबेडकर चौक से प्रारंभ हुई, जिसका लक्ष्य 11 दिनों में भोपाल पहुंचना है। पूर्व में एनएसयूआई से जुड़े रहे रामकुमार नागवंशी ने इस यात्रा को



आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा नाम दिया है। उनका कहना है कि गांव-गांव जाकर सेवा देने वाली इन कार्यकर्ताओं को अब तक सम्मानजनक वेतन और सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। नागवंशी ने बताया कि उनकी भाभी और बहन भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उनके संघर्ष को करीब से देखने के बाद ही उन्होंने यह पदयात्रा शुरू करने का निर्णय लिया। पदयात्रा के माध्यम से वह आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को शासकीय कर्मचारी का दर्जा देने, नियमित वेतनमान लागू करने, पेंशन, ग्रेजुटी, बीमा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश की गर्मी और तपती धूप के बावजूद रामकुमार लगातार पदयात्रा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की आवाज है, जो वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। भोपाल पहुंचने पर रामकुमार नागवंशी मुख्यमंत्री निवास में मांग पत्र सौंपेंगे। उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी और कार्यकर्ताओं के जीवन में बदलाव आएगा।

अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। आगामी 7 दिनों में शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने



स्पष्ट कहा कि अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। साथ ही उन्होंने फार्म रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए

निर्धारित लक्ष्यों को समयसमय में पूर्ण करने के लिए कहा। बैटुक में अपर कलेक्टर वंदना जाट, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैटुक में शामिल हुए।

कार्यालय नगर परिषद बैतूल बाजार जिला - बैतूल (म. प्र.)					
क्र./नाम/कम/2026/309	हस्तांतरित कर्ता का नाम	हस्तांतरण श्रेणिकर्ता का नाम	वार्ड का नाम	बूथड की स्थिति	नामांतरण का आधार
1	शंकरराव पानकर पिता बापूराव पानकर	शंकरराव बापूराव पानकर	शास्त्री वार्ड	94.80 वर्गमीटर पट्टा	धारणाधिकार पट्टा
2	नंदकिशोर गुरुबक्स राठौर	दिलिप पिता नन्दकिशोर राठौर	राजेन्द्र वार्ड	भूखंड	दानपत्र
3	प्यारेलाल वन्द रामवरण	काशीप्रसाद पिता प्यारेलाल	कैलाश वार्ड	भूखंड	फौतीनामातरण
4	प्यारेलाल वन्द रामवरण	काशीप्रसाद पिता प्यारेलाल	कैलाश वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
5	मौजी फन्दू दीमर	कन्हैया, लखवू, फूलवा पिता मौजी डायरे	गांधी वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
6	कलाबाई पति शंकर पवार	मदन शंकर पवार	माधवी वार्ड	भूखंड 35.69 वर्गमीटर	पट्टा
7	विरेंद्र कुमार रामनारायण वर्मा	शैल चौधरी पति विरेंद्र संगीता, अनंत राजकुमारी, सक्ष्म, सताक्षी चौधरी	सुभाष वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
8	नानी पति प्रहलाद राठौर	संजय, जितेन्द्र, बंटी, कविता, पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	भवन 124	फौतीनामातरण
9	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	संजय, जितेन्द्र, बंटी कविता, पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	भवन 41	फौतीनामातरण
10	भंगी कुमार पिता फूलचन्द कुमार	संजय, जितेन्द्र, बंटी कविता पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	41/1	फौतीनामातरण
11	सुभा अजय वर्मा	प्रीति बाला मुदीत रावत	सुभाष वार्ड	92.93 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
12	सुभा अजय वर्मा	दिशाल विनोद वर्मा	सुभाष वार्ड	1000 वर्गफुट	रजिस्ट्री
13	सोनु वन्द बाबू माहोरे	दिलीप रामु वन्द, जुगारू माहोरे	गांधी वार्ड	200 वर्गफुट	रजिस्ट्री
14	ब्रजलाल पिता दिनदयाल ठाकूर	अरुणा प्रदिय वर्मा	आजाद वार्ड	1255 वर्गफुट	दानपत्र
15	नरेंद्र पिता मोतिलाल वर्मा	नरेंद्र मोतिलाल वर्मा	शिवाजी वार्ड	184.20 वर्गमीटर	धारणाधिकार पट्टा
16	नन्दनी कृष्ण कुमार वर्मा	शिवम नन्दकुमार वर्मा	कैलाश वार्ड	1085 वर्गफुट	रजिस्ट्री
17	कमला बाई	प्रमोद बाजीराव	विष्णु वार्ड	600 वर्गफुट	दानपत्र
18	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	राजेन्द्र वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
19	सतीश पिता गौड़ उर्फ गुरुप्रसाद चौहान	दिशाल विनोद वर्मा	शिवाजी वार्ड	3024 वर्गफुट	रजिस्ट्री
20	नवनीत श्याम किशोर वर्मा	नवनीत श्याम किशोर वर्मा	शिवाजी वार्ड	198 वर्गमीटर	पट्टा
21	अकिता नवनीत वर्मा	अकिता नवनीत वर्मा	शिवाजी वार्ड	198 वर्गमीटर	पट्टा
22	द्रोपदी पति माधोवार	अनिल पिता माधोवार शांतिशा बेवा संजय, सुजल, शिवाजी पिता संजय रेखा पुत्री माधोवार	शास्त्री वार्ड	भवन	फौतीनामातरण फौतीनामातरण
23	गौरीशंकर	कांती पति गौरीशंकर, उमा, विनोद पिता गौरीशंकर	कृष्ण वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
24	बिष्णुलाल पवार	सीताराम, तुलसीराम, उमा, हेमंत, सचिन पिता मधु उर्फ रूपलाल शंकर, मोहन शांता पुष्पा	जवाहर वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
25	सुनील बरखाई	प्रमोद बाजीराव पवार	विष्णु वार्ड	भूखंड 775 वर्गफुट	रजिस्ट्री

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद बैतूलबाजार

आगा मीर सैयद अब्बास हुसैन खोरसानी

सरपरस्त, बड़ा इमामबाड़ा, 22 गाँव दोआबा
नकीब अल अशरफ, जैदी सदत

हाल ही में आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र.अ.) की शहादत के बाद पश्चिमी मीडिया और अमेरिका-इजराइल के नेतृत्व में यह धारणा बनी कि ईरान अब दिशाहीन हो जाएगा और उसका परमाणु कार्यक्रम समाप्त हो जाएगा। यह सोच पश्चिमी लोकतांत्रिक चरम से नेतृत्व को देखने की भूल है। अमेरिका की 1979 से चली आ रही विफलता का मुख्य कारण ईरान की विशिष्ट शासन व्यवस्था 'विलायत-अल-फ़की' (Guardianship of the Jurist) को न समझ पाना है।

धर्मशास्त्र और विधिशास्त्र के विशेषज्ञों द्वारा संरक्षण की इस्लामिक व्यवस्था - पश्चिमी देशों या भारत जैसे लोकतंत्रों के विपरीत, ईरान में शीर्ष नेतृत्व केवल चुनावी शांति प्रदर्शन या धनबल-बाहुल्य से तय नहीं होता। यहाँ सर्वोच्च धार्मिक नेता का चुनाव उसकी योग्यता और ज्ञान के आधार पर सार्थक धार्मिक विद्वानों (मुजतहिदों) के एक समूह द्वारा किया जाता है। इस व्यवस्था की जड़ें शिया इस्लाम के 12 इमामों के सिद्धांत में हैं। शिया मान्यता के अनुसार, पैगंबर मोहम्मद के बाद 12 इमाम उनके आध्यात्मिक और राजनीतिक उत्तराधिकारी थे। वर्तमान में 12वें इमाम 'गैबत' (पद)

में हैं। उनकी अनुपस्थिति में समाज के मार्गदर्शन के लिए 'विलायत-अल-फ़की' की अवधारणा को अपनाया गया है, ताकि 'फ़िकह-ए-जाफरिया' (इस्लामिक विधिशास्त्र) के आधार पर शासन चलाया जा सके। विलायत - अल - फ़की, फ़िकह - ए - जाफरिया के विशेषज्ञ द्वारा संरक्षण की व्यवस्था को कहते हैं। चुने गए संरक्षक को वली - अल - फ़की कहते हैं, जिसकी पहली आवश्यकता फ़िकह - ए - जाफरिया की संपूर्ण जानकारी होना है। इसके लिए हैजा (शिया मंदरसों) में दशकों की लम्बी पढ़ाई एवं इज्जतहाद (किसी प्रश्न का विधि सम्मत उत्तर प्राप्त करने की प्रक्रिया) के पश्चात विद्यार्थी मुजतहिद (विधिवेत्ता) बनता है। जिन मुजतहिद को बाकी मुजतहिद, ज्ञान और नेतृत्व के मामले में बेहतर मानते हैं, वो ही आयतुल्लाह कहलाते हैं, जिसका अर्थ होता है अल्लाह की निशानी। और, जिन आयतुल्लाह को बाकी आयतुल्लाह बेहतर मानते हैं, वो आयतुल्लाह अल उज्मा (Grand Ayatollah) कहलाते हैं। ये आयतुल्लाह अल उज्मा मर्जा - ए - तकलीद भी होते हैं। जब कोई गैर मुजतहिद य आम आमदी, धार्मिक मामलों के उत्तर अथवा समाधान ग्रहण करता है, तो उसे तकलीद (अनुसरण) कहते हैं। तकलीद करने वाला मुकल्लिद और जिस मुजतहिद की तकलीद की जाती है, वो मर्जा - ए - तकलीद कहलाता है। जो शिया इस व्यवस्था में यकीन नहीं रखता वो गैर - मुकल्लिद अखबारी कहलाता है, और वो इस व्यवस्था का विरोध

करते हैं। इसके विपरीत मुकल्लिद उसूली शिया कहलाते हैं।

उल्लेखनीय है कि ऐसे विषय जो बदलते दौर में भी सामने आते रहे, और जिनके लिए विशिष्ट प्रावधान नहीं हैं, उनको उमूर - ए - हिस्बिया कहा जाता है। इसी के अंतर्गत किसी देश की अर्थव्यवस्था, रक्षा इत्यादि से लेकर तम्बाकू तक सारे मसले आते हैं। उमूर - ए - हिस्बिया पर भी मर्जा - ए - तकलीद का अनुसरण मुकल्लिद पर बाजिब होता है।

भारतीय उपमहाद्वीप और वैश्विक प्रभाव - शिया नेतृत्व की यह परंपरा केवल ईरान तक सीमित नहीं है। सैयद दिलदार अली नकवी उर्फ गुफ्रान मआब (1753 - 1820) भारतीय उपमहाद्वीप के पहले मुजतहिद, आयतुल्लाह अल उज्मा, एवं मर्जा - ए - तकलीद थे। इन्होंने वर्तमान भारत के लखनऊ शहर को एक शिया मरकज़ (केंद्र) के रूप में स्थापित किया, जो आज भी उसी तरह है। आज हम जो भारतीय उपमहाद्वीप में शिया समुदाय में अजादारी, ताजियादारी, मजलिस, महफिल इत्यादि का एक शास्त्र सम्मत स्वरूप देते हैं, इसकी बुनियाद इन्होंने ही रखी थी। यहाँ तक कि उस दौर में लखनऊ और बंगाल समेत सारे शिया नवाब भी उनकी तकलीद और पैरवी करते थे। इसी परंपरा में कुदरतुल आरिफ़ीन जनाब सैयद अली साहब (1800 - 1868) को बिहार का पहला मुजतहिद माना जाता है। वर्तमान में भारतीय उपमहाद्वीप के शिया समुदाय ईरान

और इराक के मर्जा या मर्जा - ए - तकलीद /आयतुल्लाह अल उज्मा की तकलीद करते हैं, जिनमें प्रमुख शख्सियतों में आयतुल्लाह अल उज्मा सैयद अली अल सिरतानी हैं, और दिवंगत आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र.अ.) भी थे।

ईरान की वर्तमान व्यवस्था - 1979 में ईरान में जब इस्लामिक क्रांति आई तो इसमें गणतांत्रिक रूप से राष्ट्रध्यक्ष/राष्ट्रपति की व्यवस्था थी। उमूर - ए - हिस्बिया की श्रेणी के अंतर्गत देश के शासन को मुजतहिद के हवाले किया। विलायत - अल - फ़की पर आधारित इसी व्यवस्था को इमाम खुमेनी ने प्रस्तुत किया, और इसे मुजतहिदों की सभा ने संविधान में स्थापित किया। ईरानी संविधान के अनुच्छेद 5 में ये स्पष्ट कर दिया गया कि इमाम के गैबत में रहने की स्थिति में उम्मत/राष्ट्र का नेतृत्व और संरक्षण एक ऐसे न्यायप्रिय और पवित्र फुकह (मुजतहिद) के हवाले रहेगा, जो अपने दौर की परिस्थितियों का ज्ञाता हो, साहसी, उपाय कुशल और बेहतर प्रशासनिक क्षमता वाला हो। इसी के तहत मुजतहिदों और वकीलों की एक कौंसिल का निर्माण किया गया, जिसे शूरा - ए - निगहबान कहा गया। इसमें सुप्रीम लीडर चुने गए 6 मुजतहिद, और मजलिस द्वारा चुने गए 6 वकील शामिल हैं। उनकी प्रमुख शक्तियों में विधेयक पर वीटो लगाने, मुख्य न्यायाधीश का चुनाव करने, और प्रत्याशियों को अस्वीकृत करने का अधिकार है। इस प्रकार जो

मुजतहिद हैं, वो देश की नीति निर्धारण में निर्णायक भूमिका में हैं। साथ ही ये जनता के मध्य धार्मिक सत्ता का महत्व भी रखते हैं, और इनका अनुसरण जनता के लिए आवश्यक है। ये व्यवस्था जितनी ही संवैधानिक है, उतनी ही धार्मिक भी है।

अमेरिका की अधूरी समझ और संकीर्णता - शिया समुदाय के मूल में 'कर्बला' की चेतना है-जो अन्याय के विरुद्ध शहादत को स्वीकार करती है पर 'समर्पण' को नहीं। आज जब आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र. अ.) की शहादत हो गयी है तो आने वाले भी उन्हीं की तरह मुजतहिद हैं, और ये परंपरा इसी दिशा में चलती रहने की व्यवस्था है। जिस तरीके से मुकल्लिद की जिन्दगी की मियाद होती है, उसी तरीके से मर्जा - ए - तकलीद की जिन्दगी भी नश्वर है। अगर कुछ बख़्तरा रहेगा तो फ़िका और तकलीद। यही फ़िका और तकलीद के परिणामस्वरूप ईरान का संविधान और उसकी वर्तमान शासन व्यवस्था है। आज जब अमेरिका और इजराइल हमला कर रहे हैं, तो वहाँ के एक भूतपूर्व सैन्य अधिकारी स्कॉट रिटर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प को कर्बला और शिया विचारधारा की जड़ें और उसकी गहराई का कोई अंदाजा नहीं है। रिटर के अनुसार खामनेई साहब को शहीद करके अमेरिका ने पहले ही दिन पूरे शिया समुदाय को एक शहीद के पीछे एकजिंत कर दिया है, और ये समुदाय सब कुछ स्वीकार करेगा सिवाय समर्पण के।

संक्षिप्त समाचार

पिपरिया में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत: एक युवक घायल

पिपरिया, (निप्र)। पिपरिया बनखेड़ी रोड पर रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। मंगलवार पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बनखेड़ी निवासी मयंक ठाकुर (25) के रूप में हुई है। बाइक पर उनके साथ सवार उनके भाई संजय को मामूली चोटें आई हैं। घटना रविवार देर शाम रामपुर के आगे बासखेड़ा के बीच एक वेयरहाउस के पास हुई। हादसे के बाद मृतक के चाचा पवन ने 112 पर सूचना दी। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को पिपरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मयंक ठाकुर को मृत घोषित कर दिया, जबकि संजय को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मंगलवार पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

अवैध डीजल भंडारण पर जावर थाना पुलिस की कार्यवाही, 4825 लीटर डीजल जब्त

सीहोर, (निप्र)। जिले में डीजल, पेट्रोल एवं गैस सिलेण्डर के अवैध भंडारण को रोकने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते 29 मार्च की रात को जावर पुलिस द्वारा इंदौर भोपाल रोड स्थित चहर का टाटा (शेड) एवं टीन की गोदाम में अवैध रूप से भंडारित 4825 लीटर डीजल जब्त किया गया। इस डीजल की कीमत लगभग 04 लाख रुपये है। इसके साथ ही अवैध भंडारण करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण भी दर्ज किया गया है। जिन व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है, उनमें शाजापुर जिले के जरखी निवासी दीपसिंह परिहार और आधा के मालीपुरा निवासी जुगल जायसवाल एवं यश जायसवाल शामिल हैं। जावर थाना प्रभारी एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत पांडेय ने बताया कि यह कार्रवाई उप निरीक्षण संतोष विश्वकर्मा, प्रभारी आरक्षक जससुलाल सोलंकी, आरक्षक नरेन्द्र, मनोज, जितेंद्र जमरे, सुन्दर जमरा, अमित जमरे, कमलेश पंवार, सैनिक संतोष पोरवाल, रहल परमार, संतोष, यशवंत, गोपाल और थाना जावर पुलिस द्वारा की गई।

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने पर रोक, 9 प्रकरण दर्ज किए गए

रायसेन, (निप्र)। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को एसडीएम रायसेन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन के निर्देशन में श्री शैलेश सिंह नायब तहसीलदार रायसेन और श्रीमती संगीता बंजारी सहायक आपूर्ति अधिकारी रायसेन द्वारा रायसेन शहर में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने वाले होटल/रेस्टोरेंट/ढावा संचालकों पर 9 प्रकरणों में 14.2 किलोग्राम का, इस प्रकार कुल 14 सिलेण्डर एवं 2 भट्टी जप्त कर अमन गैस एजेन्सी सांची रोड रायसेन की सुपुर्दी में दिये गये। आगे भी घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग करने वाले होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों पर कार्यवाही की जायेगी। साथ ही जिले के समस्त होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों से अपील की जाती है कि घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में नहीं करते हुए कामर्शियल सिलेण्डर, लकड़ी / डीजल भट्टी या इण्डेक्सन का ही उपयोग किया जाये।



जल गंगा संवर्धन अभियान: बिसनूर और धाबला में जल मंदिर प्याऊ का किया शुभारंभ

बैतुल, (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 प्रदेशभर में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड प्रभातपट्टन में विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे की उपस्थिति में विभिन्न ग्रामों में जल संरक्षण एवं जनजागरूकता के माध्यम से समाज को जोड़ने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम बिसनूर की प्रस्फुटन समिति द्वारा राहगीरों की सुविधा के लिए बस स्टैंड पर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम सरपंच श्रीमती प्रियंका ठाकुर एवं प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर किया गया। समिति

द्वारा 4 मटकों की व्यवस्था की गई तथा प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा ग्राम धाबला की प्रस्फुटन समिति द्वारा बिरुल बाजार रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत तासी नदी के घाट की सफाई भी की गई, जिससे स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स एवं परामर्शदाता द्वारा जल संरक्षण की जनजागृति के लिए दीवार लेखन भी किया गया।

जिले के सभी मंडलों के साथ बूथों पर ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा भाजपा का स्थापना दिवस : महंत निलेश भारती

भाजपा स्थापना दिवस को लेकर जिला कामकाजी बैठक संपन्न

धारा। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस आयोजन को लेकर बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिला कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 6 अप्रैल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। जिला कामकाजी बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, धार विधायक नीना वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेडा, जिला महामंत्री राकेश पटेल, स्थापना दिवस आयोजन टोली संयोजक व भाजपा जिला महामंत्री देवेन्द्र सोनोने, टोली के सह संयोजक प्रेमचंद परमार, कमल यादव व विनीत मंडलोई सरदारपुर के पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया अतिथि रूप में मंचासीन थे।

अतिथियों ने सर्वप्रथम भारत माता व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। सभी अतिथियों का भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल निगम व जयराज देवड़ा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दुपट्ट पहनकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि हम सब विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता हैं। और हम सभी को ऐतिहासिक रूप से हमारी पार्टी का स्थापना दिवस बड़े धुमधाम से मनाना है। प्रत्येक बूथ स्तर तक

पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा एवं जनहितकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए 6 अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस से विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए एक त्योहार की तरह है।



इसे हम सभी कार्यकर्ता बड़े हर्षोल्लास के साथ बूथ स्तर तक मनाएंगे।

स्थापना दिवस पर कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिला संयोजक देवेन्द्र सोनोने ने बताया कि स्थापना दिवस पर 5, 6, 7 अप्रैल को सभी जिला एवं मंडल कार्यालय पर विद्युत सजावट, 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घरों पर ध्वजारोहण करेंगे, सभी कार्यकर्ता सेल्फे फेसबुक पर अपलोड करें तथा प्रत्येक बूथ पर हमें स्थापना दिवस का कार्यक्रम करना है। 9 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें सम्बोधना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कामकाजी बैठक में जिला पदाधिकारी जिले के सभी मंडल अध्यक्ष व महामंत्री नव नियुक्त एलडर मेन सहित वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला मंत्री व टोली के सह संयोजक कमल यादव ने किया। आभार जिला मंत्री विनीत मंडलोई ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

आयोजित किया जाएगा जिसमें जिला कार्यालय में जिला स्तर के सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना। 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक सांसद विधायक सभी जनप्रतिनिधि एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों के द्वारा गांव बस्ती चलो अभियान के निमित्त कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। धार विधायक नीना वर्मा ने कहा कि हमें पार्टी का स्थापना दिवस बड़े त्योहार के रूप में मनाना है। शासन ने आप जनता के लिए कई महत्वकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। उनकी जानकारी कार्यकर्ता आम लोगों को दे। पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य हैं। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें सम्बोधना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कामकाजी बैठक में जिला पदाधिकारी जिले के सभी मंडल अध्यक्ष व महामंत्री नव नियुक्त एलडर मेन सहित वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला मंत्री व टोली के सह संयोजक कमल यादव ने किया। आभार जिला मंत्री विनीत मंडलोई ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

हरदा में सड़क हादसा

19 साल की आरती की मौत: चाचा के आने का कर रही थी इंतजार, सिर में चोट लगने से गई जान

हरदा, (निप्र)। छोपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम नीमसराय के पास एक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान आरती पिता शिवशेल मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरती अपने चाचा व्योमकेश मिश्रा के साथ हरदा आने के लिए नीमसराय गांव से निकली थी। उनके चाचा अपना मोबाइल घर पर भूल गए थे, जिसे लेने वे वापस घर गए।

सड़क किनारे कर रही थी इंतजार बाइक ने टक्कर मारी

आरती सड़क किनारे एक पेड़ के पास बैठकर चाचा का इंतजार कर रही थी। तभी एक अज्ञात बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में आरती के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, सिर में गंभीर चोट लगने के कारण ही उसकी जान गई। शाम को जिला अस्पताल में मृतका का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरती अपने तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थीं।



राष्ट्रीय मंच पर चमका विदिशा - गौमय उत्पादों को SKOCH अवॉर्ड, 2150 महिलाओं की मेहनत को मिला सम्मान

गौशालाओं से आत्मनिर्भरता की राह - पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अनूठा संगम

विदिशा, (निप्र)। विदिशा जिले के लिए यह गर्व का क्षण है कि जिले में निर्मित गौमय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नई दिल्ली में आयोजित एस्केओसीएच समिट 2026 के दौरान विदिशा की गौशालाओं से जुड़े उत्पादकों को प्रतिष्ठित एस्केओसीएच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि ग्रामीण नवाचार और स्वावलंबन का सशक्त उदाहरण भी बनकर सामने आई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम

में विदिशा जिले को प्राप्त अवार्ड सम्मान प्रमाण पत्र को सौंपा गया है। गौरतलब हो कि कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया और पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ एनके शुक्ला ने दिल्ली में उक्त अवार्ड प्रमाण पत्र को प्राप्त किया था। जिसे आज कलेक्टर चेम्बर में उल्लेखित अधिकारियों के द्वारा सौंपा गया है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की प्रेरणादायक मार्गदर्शन में दीपावली 2025 से पहले एक व्यापक अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विदिशा जिले की 45 गौशालाओं एवं आजीविका मिशन से जुड़ी 182 महिला स्व-सहायता समूहों की लगभग 2150 महिलाओं को गौमय उत्पाद निर्माण से जोड़ा गया है। इस पहल के तहत महिलाओं ने गोबर से बने करीब 250 प्रकार के पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार किए, जिनमें दीपक, हवन कप, धूपबत्ती, मूर्तियां और सजावटी सामग्री प्रमुख हैं। उत्पादन को गति देने के लिए 108 हस्तकलापति मशीनें और बड़ी संख्या में सांचे उपलब्ध कराए गए, जिससे बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार किए



जा सके। परिणामस्वरूप लगभग 25 लाख गौमय दीपकों का निर्माण किया गया, जिन्हें देश के विभिन्न शहरों में भेजकर बिक्री की गई। इस पूरी प्रक्रिया से उत्पादकों को करीब 12.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

इस अभिनव मॉडल की सफलता के बाद इसे और व्यापक स्तर पर लागू करने की योजना बनाई जा रही है। भविष्य में अधिक गौशालाओं और स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उत्पादन बढ़ाने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया जाएगा। कलेक्टर के नवाचारों का यह प्रयास दिखाता है कि स्थानीय संसाधनों और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किस तरह आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

‘स्कूल में मेरे साथ गैंगरेप हुआ’

● सतना में बॉयफ्रेंड के कहने पर पांच महीने की प्रेग्नेंट लड़की ने गढ़ी झूठी कहानी

सतना (नम्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिले स्थित रामपुर बघेलान क्षेत्र में एक हेरान करने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की की तबीयत बिगड़ने पर पता चला कि वह पांच महीने की गर्भवती है। उसने सभी को गुमराह करने के लिए स्कूल के शिक्षक



और दो नकाबपोश लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगा दिया है। पुलिस की जांच में जब मामले का खुलासा हुआ तो सभी लोग हेरान रह गए। बॉयफ्रेंड के कहने पर लड़की ने सभी को गुमराह करने की कोशिश की।

पांच महीने की प्रेग्नेंट है लड़की

दरअसल, मंगलवार की शाम बुजुर्ग महिला अपनी पोती को लेकर सतना जिला अस्पताल पहुंची थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि वह पांच महीने की गर्भवती है। यह सुनकर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। लड़की ने उन्हें गैंगरेप की कहानी सुनाई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई है। पुलिस की टीम पहुंची और लड़की के बयान दर्ज किए। लड़की ने पहले पुलिस और परिजनों को बताया कि स्कूल के कमरे में बंदकर एक शिक्षक और दो नकाबपोश लोगों ने गैंगरेप किया है। इस आरोप से प्रशासनिक महकमे के हाथ-पांव फूल गए। इसके बाद मामले में पड़ताल शुरू हुई। परिवार और गांव के लोगों से पूछताछ शुरू हुई। छात्रा का कहना था कि यह घटना दिवाली के समय की है।

प्रेमी के कहने पर गढ़ी झूठी कहानी- मामले की जांच में कई चीजें सामने आईं, जिसमें गैंगरेप के संकेत नहीं मिल रहे थे। इसके बाद लेंडी एसआई प्रीति कुशवाहा ने उससे अलग में पूछताछ शुरू की तो उसने सच उगल दिया। बताया कि गांव के एक लड़के के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा है। उसी के साथ संबंध बनाए थे। उसी के कहने पर हमने झूठी कहानी गढ़ी ताकि लोगों को सच नहीं पता चल सके। गौरतलब है कि मामले की सच्चाई सामने आने के बाद सतना पुलिस ने राहत की सांस ली है। साथ ही अब विस्तार से मामले की जांच कर रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाल के दिनों में मध्य प्रदेश में नाबालिग लड़कियों के गर्भवती होने के कई मामले सामने आए हैं।

दूल्हे ने शादी की खुशी में नहीं पिलायी शराब

● पड़ोसियों ने नई नवेली दुल्हन समेत पूरे परिवार को पीटा



ग्वालियर (नम्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने सामाजिक मर्यादाओं और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के आरोन थाना इलाके के पटाई गांव में एक नई नवेली दुल्हन के ससुराल पहुंचते ही खुशियों का माहौल चीख-पुकार में बदल गया। वजह सिर्फ इतनी थी कि दूल्हे ने पड़ोसियों की मुफ्त शराब की मांग पूरी नहीं की। मुंह दिखाई के बीच पड़ोसियों का तांडव- पटाई गांव के रहने वाले महेश की शादी 30 मार्च को हुई थी। 31 मार्च की शाम महेश अपनी दुल्हन की विदाई कराकर घर लौटा था। घर में मेहमान जुटे थे और नई बहू की मुंह दिखाई की रस्म चल रही थी। इसी बीच पड़ोस में रहने वाले मनोज और भीम अपने साथियों के साथ वहां आ धमके। उन्होंने दूल्हे महेश से शादी की खुशी में शराब पीने के लिए पैसे की मांग की।

दुल्हन और मेहमानों पर हमला

जब महेश ने शराब के लिए पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मनोज और भीम ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूल्हा महेश, नई नवेली दुल्हन और परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला बोल दिया। अपने मेजबान को पिटता देख घर में मौजूद मेहमान भी आपा खो बैठे और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच शराब के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। घटना के समय दोनों तरफ से एक-एक व्यक्ति नशे की हालत में था। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नशे और नफरत का पुराना गठजोड़- ग्वालियर-चंबल अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं जहां छोटी-छोटी बातों या अवैध मांगों पर हिंसक झड़पें होती हैं। यह मामला सीधे तौर पर पुलिसिंग और सामाजिक सुरक्षा की कमी को दर्शाता है। एक गरीब परिवार की शादी की खुशियों को पड़ोसियों के नशे की लत ने बर्बाद कर दिया। अब देखना यह है कि प्रशासन इन दबंगों पर क्या कार्रवाई करता है।

8 साल में उड़ गए महाराष्ट्र-एमपी के जंगल

मध्य प्रदेश में 19851 वर्ग किमी ग्रीन कवर घटा, भोपाल में लगाए पौने आठ लाख पौधे

भोपाल (नम्र)। बढ़ते शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगल खत्म हो रहे हैं। ग्रीन कवर तेजी से घट रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए ताजा आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पिछले 8 सालों में (2015 से 2023 के बीच) देश के दो बड़े राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ग्रीन कवर (वन और वृक्ष आवरण) तेजी से घटा है।

भोपाल सांसद आलोक शर्मा सहित अन्य सांसदों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कौतिलधन सिंह ने यह डेटा सदन के पटल पर रखा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ग्रीन कवर घटने के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है, जबकि मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

एमपी: 19,851 वर्ग किमी जंगल साफ-टाइगर स्टेट के नाम से मशहूर मध्य प्रदेश में हरियाली का दायरा तेजी से सिमटा है। साल 2015 में प्रदेश का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,235 वर्ग किमी था, जो 2023 की रिपोर्ट में घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। यानी महज 8 सालों में राज्य ने 19,851.59 वर्ग किमी का हरा-भरा क्षेत्र खो दिया। यह क्षेत्रफल कई छोटे राज्यों के कुल आकार से भी बड़ा है।

महाराष्ट्र की स्थिति सबसे भयावह

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र में हरियाली की सबसे ज्यादा बलि चढ़ी है। 2015 में यहां 60,186 वर्ग किमी ग्रीन कवर था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 16,795.28 वर्ग किमी रह गया है। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है, जो देश में किसी भी राज्य में सबसे अधिक है।



क्यों घट रहा है ग्रीन कवर?

सदन में दी गई जानकारी के अनुसार हरित भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए वनीकरण के प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन धरातल पर बड़े राज्यों में कवर का कम होना चिंता का विषय है। हालांकि, सरकार का दावा है कि राष्ट्रीय स्तर पर 2015 से 2023 के बीच कुल वन क्षेत्र में 33,111.95 वर्ग किमी की बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि आंध्र प्रदेश, केरल और झारखंड जैसे राज्यों में जंगल बढ़ा है।

टॉप-5 राज्य: जहां ग्रीन कवर सबसे ज्यादा घटा

- **महाराष्ट्र:** यहां सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जहां वन क्षेत्र 60,186 वर्ग किमी से घटकर 16,795.28 वर्ग किमी रह गया। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी ग्रीन

कवर घटा है। ● **मध्य प्रदेश:** दूसरे नंबर पर एमपी है, जहां कवर 85,235 वर्ग किमी से घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। एमपी में आठ सालों में 19,851.59 वर्ग किमी वन क्षेत्र घटा गया है।

- **कर्नाटक:** यहां का दायरा 41,973 वर्ग किमी से कम होकर 24,965.3 वर्ग किमी पर आ गया है। यहां 17,007.7 वर्ग किमी ग्रीन कवर कम हुआ है। ● **मिजोरम:** पूर्वोत्तर के इस राज्य में कवर 19,283 वर्ग किमी से घटकर 12,616.49 वर्ग किमी रह गया। यहां 6,666.51 वर्ग किमी फॉरेस्ट एरिया घटा है। ● **जम्मू और कश्मीर:** यहां हरियाली 31,342 वर्ग किमी से घटकर 27,403.33 वर्ग किमी रह गई। यहां 3,938.67 वर्ग किमी ग्रीन कवर कम हुआ है। (इन राज्यों में 2015 के मुकाबले 2023 में हरियाली का दायरा सबसे अधिक घटा है)

कंबाइन हार्वेस्टरों को मिलेगी टोल से छूट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● इंदौर-उज्जैन तथा उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग निर्माण को मिला अनुमोदन ● पश्चिम भोपाल बायपास का परिवर्तित एलाइनमेंट अनुमोदित ● मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की हुई बैठक



भोपाल (नम्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में 'समुद्र किसान-समुद्र प्रदेश' के विचार को सार्थक करते हुए किसान हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किये जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टरों को मध्यप्रदेश सड़क

विकास निगम के टोल प्लाजा पर शुल्क संग्रहण से छूट रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल कटाई में प्रयुक्त होने वाला कंबाइन हार्वेस्टर आवश्यक कृषि उपकरण है। टोल मार्गों पर टोल छूट दिए जाने से हार्वेस्टर की परिवहन लागत में कमी आएगी। जिसका सकारात्मक प्रभाव कृषि उपज के मूल्य पर होगा, यह निर्णय कृषकों के लिए हितकर सिद्ध

होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की बैठक में दिए। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई संचालक मंडल की बैठक में इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड मार्ग और उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग के नॉन एक्सेस कंट्रोल परियोजना के रूप में निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया गया। संचालक मंडल ने पश्चिम भोपाल बायपास के परिवर्तित एलाइनमेंट को अनुमोदन प्रदान कर निर्माण की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की। बैठक में वार्षिक लेखों तथा अन्य प्रबंधकीय विषयों पर विचार-विमर्श हुआ तथा निर्णय लिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री सुखबीर सिंह, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम श्री भरत यादव उपस्थित थे।

होटल कर्मचारी ने शादी का झांसा देकर किया रेप

इंदौर से भोपाल परीक्षा देने आई थी युवती, कई बार बुलाकर करता रहा जबरदस्ती

भोपाल (नम्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के मंगलवारा इलाके में एक होटल में ठहरी इंदौर की युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता यहां परीक्षा देने आई थी। आरोप है कि जिस होटल में वह ठहरी थी, वहां के कर्मचारी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पहली मुलाकात होटल में, फिर मोबाइल पर बड़ी नजदीकियां- पुलिस के मुताबिक इंदौर निवासी 24 वर्षीय युवती साल 2025 में अपनी सहेली के साथ परीक्षा देने भोपाल आई थी। दोनों मंगलवारा क्षेत्र के एक होटल में रुकी थीं। इसी दौरान युवती की पहचान होटल कर्मचारी शुभम चौधरी से हुई। परीक्षा के बाद युवती इंदौर लौट गई, लेकिन दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत जारी रही।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट

मामा-बुआ के परिवार आपस में भिड़े, एक-दूसरे पर कुल्हाड़ी-दरांती से हमला

हरदा (नम्र)। हरदा जिले के सिराली थाना क्षेत्र के दीपगांव कला में बुधवार सुबह जमीन विवाद के हिंसक रूप ले लिया। एक एकड़ जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद में 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हुए हैं। मृतक की पहचान दीपगांव निवासी अमरसिंह पिता जयसिंह कलम (65) के रूप में हुई है। घायलों में अमरसिंह के भाई सूरत सिंह, रामभरोस, आनंद सिंह, हरिसिंह, सतीश राजपूत और दूसरे पक्ष से नारायण राजपूत शामिल हैं। सभी घायलों को पहले सिराली के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इनमें से तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

एक एकड़ जमीन को लेकर हुआ विवाद- एसपी शशांक ने बताया कि एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच एक एकड़ जमीन पर बखरनी कर कब्जा करने को लेकर विवाद हुआ था, जो बाद में



मारपीट में बदल गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

इन आरोपियों पर मामला दर्ज- मृतक के भाई आनंद सिंह राजपूत की शिकायत पर रूपसिंह पटेल, भागवत सिंह, कैलाश, दिनेश, नारायण, हरिओम और गोलू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस

ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कुल्हाड़ी, दरांती और लाठी से हमला- आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपी पक्ष के लोग उनके रिश्तेदार हैं। जमीन को लेकर मामला सिविल कोर्ट में विचाराधीन है। बुधवार सुबह आरोपी रूपसिंह

शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ाया चाय कारोबारी का हत्यारा आसिफ

भोपाल पुलिस बोली- फायरिंग कर भाग रहा था, हिंदू संगठन ने की बुलडोजर चलाने की मांग



भोपाल (नम्र)। भोपाल में 35 वर्षीय चाय कारोबारी विजय राजपूत मेवाड़ा (बिड़) की हत्या करने के मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने तीन संदिग्धों फरमान, कालू और इमरान को गिरफ्तार किया था। आसिफ ने अशोका गार्डन इलाके में रविवार रात विजय की चाकू चोपकर हत्या कर दी थी। उसकी गिरफ्तारी और मकान पर बुलडोजर चलाने के लिए हिंदूवादी संगठनों ने बुधवार सुबह 11.30 बजे प्रदर्शन शुरू किया था, जो दोपहर 1 बजे तक चला।

भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के मुताबिक, इसी प्रदर्शन के दौरान पुलिस को आसिफ के रातीबड़ इलाके में होने की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी की तो आसिफ ने फायरिंग कर दी। दोपहर 12:00 से 12:15 बजे तक शॉर्ट एनकाउंटर चला, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे पकड़ लिया गया। आसिफ को भोपाल के हर्मीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके खिलाफ 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। मौके से पुलिस ने एक पिस्टल भी जब्त की है।

मंत्री सारंग बोले-

हत्यारे को फांसी मिलनी चाहिए

मंगलवार रात मंत्री विश्वास सारंग, विजय के घर पहुंचे थे और परिजन को ढाढस बांधा था। उन्होंने कहा- यह बहुत ही वीभत्स घटना हुई है। मैं स्वयं पीड़ित परिवार से मिला था। विजय बहुत ही होनहार युवा थे। एक गलत घटना को अंजाम दिया गया है। हत्यारे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। बिना बात, बिना किसी कारण के एक होनहार युवा की हत्या की गई, जो सहन नहीं किया जाएगा।

एक की मौत, 6 लोग घायल

सहित करीब 15 लोग जमीन पर कब्जा करने पहुंचे और बखरनी करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी, दरांती और लाठियों से हमला कर दिया, जिसमें अमरसिंह की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, यह जमीन उनके नाना घनश्याम पटेल से जुड़ी है। परिवार के बीच पहले से ही जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और मामला कोर्ट में लंबित है।

एसपी समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे- घटना की सूचना मिलते ही सिराली थाना प्रभारी सीताराम पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, एसपी अमित कुमार मिश्रा और प्रभारी एसडीओपी अरुणा सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतक अमरसिंह के शव का पोस्टमार्टम छिदरकिया अस्पताल में कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामा-बुआ के परिवार आपस में भिड़े- यह विवाद दो एकड़ जमीन पर कब्जे को लेकर मामा और बुआ के परिवारों के बीच हुआ बताया जा रहा है।